vke|[k

बच्चे हमारी परंपरा के वाहक हैं और भविष्य की आशा भी। उत्सुकता से चमकती आँखों और अपरिमित ऊर्जा वाले बच्चे सीखने की ललक लेकर विद्यालय आते हैं। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था– मुझमें कोई विशेष प्रतिभा नहीं है, लेकिन मुझमें सिर्फ़ जानने की प्रबल उत्सुकता है।

ये पंक्ति पठन–पाठन पद्धति के इस महत्त्वपूर्ण पक्ष को दर्शाती है कि बच्चों को सीखने के पूरे अवसर मिलें ताकि उनमें उत्सुकता बनी रहे। इसलिए हमें स्कूल और कक्षा का वातावरण, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण सामग्री, गुणवत्तापूर्ण सिखाने और सीखने के लिए समय, शिक्षक की भूमिका आदि पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

गुणवत्तापरक परिवर्तन को लक्ष्य बनाकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए विभाग द्वारा विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इनके अंतर्गत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 व शिक्षा का अधिकार 2009 तथा अध्यापक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2009 के मद्देनजर कक्षा 1 से 5 की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है।

इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की सक्रिय भागीदारी हो। बच्चों के स्कूली जीवन को उनके परिवेश से जोड़ा जाए, जिससे स्कूल और घर के बीच की दूरी कम हो सके। इन पाठ्यपुस्तकों से बच्चों को छान–बीन करने, स्वयं करके देखने–समझने, समस्या का स्वयं समाधान ढूँढ़ने जैसे कौशलों के विकास के अनेक अवसर मिल सकें, जिससे बच्चे केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित न रहें अपितु परिवेश में उपलब्ध साधनों की ओर भी उन्मुख हों।

सीखने की प्रक्रिया में बच्चों का अपना सामाजिक संदर्भ महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्हें सामाजिक विविधता के साथ–साथ धर्म, जाति, लिंग के प्रति समानता, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों एवं बड़े बुज़ुर्गों के प्रति संवेदनशीलता, आदर–भाव तथा हरियाणा की संस्कृति की छटा को समझने के समुचित अवसर मिल सके, नवनिर्मित पाठ्यपुस्तकों में इनका गंभीरता से प्रयास किया गया है।

इन पुस्तकों में बच्चों के आस–पास की सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों को आधार बनाकर प्रत्येक स्तरानुसार विषय–सामग्री और गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है। इससे सभी बच्चे रोचक ढंग से स्तरानुसार व अपनी गति के अनुसार दक्षताओं और कौशलों का विकास कर पाएँगे। शिक्षक सतत एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा बच्चों का आकलन कर उनके स्तरानुसार दक्षताओं और कौशलों को विकसित करने में सहायक होंगे।

यह उल्लेख भी प्रासंगिक होगा कि इन पुस्तकों को आप के बीच से आए विद्यालयों के शिक्षक–शिक्षिकाओं के सहयोग से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुड़गाँव द्वारा तैयार किया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अध्यापकगण इनके अंतर्निहित भावों को जानकर शिक्षण को रुचिकर बनाते हुए व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपने कौशल से, सीखने के भरपूर अवसर प्रदान करेंगे।

vfrfjDr e|[; lfpo]
fo|ky; f'k{kk] gfj;k.kk] p.Mhx<

ikB;iLrd fuek.k lfefr

lj{kd eMy – केशनी आनन्द अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा।
रोहतास सिंह खरब, निदेशक, मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा।
आलोक वर्मा, राज्य परियोजना निदेशक, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

ekxn'ku – स्नेहलता, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

leUo; lfefr – सुशील बत्रा, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
रवींद्र सिंह फौगाट, अध्यक्ष, पाठ्यपुस्तक विभाग, एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा, गुड़गाँव।

iujoykdu lfefr – डी.सी. ग्रोवर, सेवानिवृत्त वरिष्ठ विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
डॉ. योगेश वासिष्ठ, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

leh{kk lfefr – डॉ. संध्या सिंह, प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
डॉ. रामकरण डबास, सेवानिवृत्त भाषा विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. दिल्ली।
कान्ता कश्यप, सेवानिवृत्त भाषा विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
अक्षय दीक्षित, शिक्षक, नगर निगम दिल्ली

lnL; – तनु भारद्वाज, विषय विशेषज्ञ,एस.सी.ई.आर.टी.हरियाणा, गुड़गाँव
अलका रानी संस्कृत, प्राध्यापिका, डाइट गुड़गाँव, गुड़गाँव
ब्रजेश शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, डाइट जनौली, पलवल
महेन्द्र सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, बौंद कलाँ, भिवानी
राजेश कुमार, खंड संसाधन व्यक्ति, अग्रोहा, हिसार
सोमप्रकाश, खंड संसाधन व्यक्ति, कैथल, कैथल
वेदप्रकाश, खंड संसाधन व्यक्ति, बवानी खेड़ा, भिवानी
कुलदीप सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, हाँसी–2, हिसार
पूर्वा सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, फरीदाबाद, फरीदाबाद
राजकुमार, खंड संसाधन व्यक्ति, रानियाँ, सिरसा
बलविन्द्र सिन्हा, खंड संसाधन व्यक्ति, शहजादपुर, अंबाला

lnL; ,o leUo;d – राजेश यादव, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

vkHkkj

मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा अपने प्रांत की राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की संपूर्ण पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के प्रति आभार व्यक्त करता है। इन पुस्तकों के लेखन में एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली ने जिन विशेषज्ञों को इस कार्य हेतु नियुक्त किया, उसके प्रति हम उनके आभारी हैं। यह विभाग इस पुस्तक के पुनरवलोकन, समीक्षा व महत्त्वपूर्ण सुझावों के लिए प्रो. के.के. वशिष्ठ पूर्व अध्यक्ष, प्रा.शि.वि., एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, प्रो. रामसजन पांडे, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक व डॉ. शारदा कुमारी, भाषा विशेषज्ञ, डाइट, दिल्ली के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता है। जिन रचनाकारों ने अपनी रचनाएँ प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान की व साथ ही एकलव्य भोपाल के भी हम प्रकाशन स्वीकृति प्रदान करने के लिए आभारी हैं।

हमारे प्रयासों के बावजूद यदि किसी रचनाकार अथवा संस्था का नाम छूट गया हो तो विभाग उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता है। भविष्य में नाम की जानकारी होने पर आगामी संस्करणों में संशोधन कर लिया जाएगा। अज्ञात एवं अनजान कवियों व लेखकों की रचनाएँ सुविधावंचित बच्चों के लिए हैं। इनका निशुल्क वितरण किया जाना है। ये पुस्तकें किसी व्यक्तिगत लाभ को मद्देनजर रखकर नहीं बनाई गई।

पुस्तकों के टंकण कार्य हेतु बबली एवं देवानंद तथा चित्रांकन व साज–सज्जा के लिए फजरूद्दीन एवं कमल किशोर का भी यह विभाग आभार व्यक्त करता है।

पाठ्यपुस्तक के विकास में जिन विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी बातचीत हेतु सहयोगी रहे तथा जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से इस पाठ्य पुस्तक को मूर्त रूप देने में सहयोग दिया, विभाग उन सभी सर्जकों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

jkgrkl flag [kjc
funs'kd] ekfyd f'k{kk]
gfj;k.kk] ipdyk

f'k{kdk ,o vfHkHkkodk d fy,

मानव हृदय की मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भाषा ही है। हृदय के उद्‌गारों को भाषा के माध्यम से ही सहजता और सरलता से प्रकट किया जा सकता है। बच्चे पढ़ने के क्रम में अपने स्तर के अनुसार सभी भाषायी कौशलों का प्रयोग करना सीख जाते हैं। प्रारंभिक सोपान में बच्चे चित्रकथाओं, बालगीतों, कहानियों व कविताओं का रसास्वादन लेने से परिचित हो चुके हैं पर कई स्तरों पर भाषा का विकास अभी भी हो रहा है। पढ़ते व लिखते समय वे इस ज्ञान की तुलना बार–बार उन बातों से करते हैं, जो वे पहले से जानते हैं। पठन सामग्री बच्चों को रुचिकर तभी लगती है, जब पूर्व ज्ञान से उस सामग्री का संबंध जुड़ता है।

यहाँ बच्चों की स्वाभाविक रुचियों और जिज्ञासाओं का ध्यान रखते हुए उनमें बात कहने, सुनने, पढ़ने व लिखने के कौशल तथा तर्क देने जैसी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक में शिक्षण के मूलभूत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु बच्चों को मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं।

पुस्तक में बाल साहित्य भरपूर मात्रा में दिया गया है ताकि बच्चों का पढ़ने–लिखने के प्रति रुझान बढ़ सके। श्रवण और पठन कौशल के विकास में कविता का बहुत योगदान रहता है। इस दृष्टि से परिवेश से जुड़े बालगीत एवं कविताएँ पाठ्यपुस्तक में डाली गई हैं। शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे बालगीत एवं कविताओं का कक्षा में हाव–भाव सहित वाचन करें तथा बच्चों को साथ मिलकर कविता प्रस्तुत करने के लिए कहें। बच्चों की रुचि एवं परिवेश के अनुसार पुस्तक में बहुरंगी चित्रों का समावेश किया गया है। ये चित्र बच्चों को न केवल विषयवस्तु समझने में मदद करते हैं वरन् उनको अपने परिवेश से भी जोड़ते हैं। कहानियाँ बच्चों की कल्पना को नई उड़ान देती हैं व उनकी जिज्ञासा तथा कल्पना को बढ़ाती हैं। इसीलिए पाठ्यपुस्तक में रोचक व शिक्षाप्रद बाल कहानियों का समावेश किया गया है। कहानियों के पात्र अलग–अलग शैली में बच्चों पर स्नेहिल प्रभाव छोड़ते नजर आते हैं।

बहुभाषिकता का भाषा विकास के एक संसाधन के रूप में प्रयोग किया गया है। पुस्तक में ऐसे अनेक अवसर उपलब्ध कराए गए हैं, जहाँ स्थानीय भाषा को हिंदी में तथा हिंदी के शब्दों को स्थानीय भाषा में समझाने का प्रयास किया गया है। इससे विषय की बालकों से निकटता बनी रहती है।

भाषायी विविधता भाषा विकास की कड़ी है और सभी भाषाएँ एक दूसरे के सान्निध्य में ही फलती–फूलती हैं। इसलिए कक्षा में प्रवेश करने पर बच्चे को आंचलिक शब्दों का प्रयोग करते हुए स्थानीय भाषा में अपनी बात कहने का अवसर प्रदान करें और आप प्रत्येक बच्चे की बात का सम्मान करते हुए उसे प्राथमिकता दें। इस पुस्तक में अभ्यास के अंतर्गत 'पाठ से/कविता से' पाठ आधारित प्रश्न हैं, जो बच्चों में विषय का बोध एवं लिखित अभिव्यक्ति को विकसित करने के लिए दिए गए हैं। 'आपकी बात' शीर्षक में दिए गए प्रश्न बच्चों को अपने परिवेश से जुड़ने एवं अपने अनुभवों को अपनी भाषा में कहने के लिए प्रेरित करते हैं। 'भाषा की बात' शीर्षक के अंतर्गत बच्चों को सहज एवं क्रियात्मक रूप से व्याकरण का बोध कराने का प्रयास है। वर्ग पहेली, साँप–सीढ़ी, मिलान करो एवं अन्य खेल गतिविधियों

के द्वारा इस विषय को रुचिकर बनाने का प्रयास किया गया है। जिसमें उन्हें स्वयं करके सीखने का अवसर प्रदान किया गया है। 'यह भी करें' शीर्षक के अंतर्गत विषय के प्रति रुचि जाग्रत करने के साथ–साथ उन्हें अपने परिवेश से जोड़ने का उपक्रम है, यह उनके सर्जनात्मक कौशल को भी विकसित करने का प्रयास है।

पुस्तक में 'कुछ और पढ़ें' शीर्षक के अंतर्गत, चुटकुले, चित्रकथा, कविताएँ व कहानियाँ दी गई हैं, जो केवल पठन कौशल का विकास करने के उद्देश्य से दिए गए हैं, परीक्षा की दृष्टि से उन पाठों के आधार पर बच्चों का आकलन नहीं किया जाना। यह स्वाध्याय की आदत का विकास करने का प्रयास है। यद्यपि पुस्तक में लिखने के अभ्यास हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया गया है किंतु अतिरिक्त लेखन अभ्यास के लिए अलग से अभ्यासपुस्तिका का प्रयोग किया जा सकता है। अभिभावकों से भी अपेक्षा है कि वे घर पर भी उन्हें ऐसे अवसर उपलब्ध कराएँ। यह जानने के लिए कि बच्चों ने शिक्षण उपरांत कितना सीखा, पुस्तक में कुछ पाठों के बाद पठित पाठों के आधार पर आकलन हेतु सामग्री दी गई है।

पुस्तक में बच्चों को अपने अनुभवों और कल्पनाओं को विस्तार देने के भी अनेक अवसर प्रदान किए गए हैं। शिक्षकों से अपेक्षा है कि वे आई.सी.टी. का प्रयोग करते हुए बच्चों का ज्ञानवर्धन करें व बाल मनोविज्ञान को समझते हुए बच्चों के चारों ओर ऐसा वातावरण निर्मित करें, जिसमें प्रकाश ही प्रकाश हो और नन्हे बालक कल्पना के हिंडोले में बैठकर अपनी जिज्ञासा को शांत करते हुए ज्ञान प्राप्त करें। मैं आशा करती हूँ कि प्रस्तुत पुस्तक f>yfey से आलोकित होकर बच्चे अपनी प्रतिभा से सारी दुनिया को प्रकाशित करेंगे।

funs'kd
, l-l h-b-vkj-Vh- gfj;k.kk]
xqMxk¡o

प्रस्तुत संस्करण

आज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों के साथ–साथ अध्यापकों को भी कई बार, विषय की बारीकियों और नए उदाहरणों के साथ केवल पाठ्य–पुस्तकों से समझाना कुछ अधूरा सा लगता है। ऐसी आवश्यकता महसूस होती है कि पुस्तक के विभिन्न पाठों में आवश्यकता पड़ने पर यदि डिजिटल कंटेंट तुरंत उपलब्ध हो जाय तो अध्ययन–अध्यापन की नीरसता समाप्त हो सकती है और कक्षा में रुचिकर वातावरण तैयार किया जा सकता है। कक्षा में छात्रों के अलग–अलग स्तर के अनुसार यदि गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट उपलब्ध हो तो, न केवल अध्ययन–अध्यापन और अधिक सशक्त होगा बल्कि कठिन बिन्दुओं को भी बेहतर ढंग से समझने–समझाने में सहायता मिलेगी। उर्जस्वित पुस्तकें (Energized Text Books) इस समस्या को हल करने की दिशा में एक पहल है। ऐसी पुस्तकों की संकल्पना, MHRD भारत सरकार के अध्यापकों को सक्षम करने के उद्देश्य से बनाये गए दीक्षा (DIKSHA) पोर्टल के लिए की गयी है।

दीक्षा के अंतर्गत ऐसी पाठ्य पुस्तकों की कल्पना की गयी है, जिनमें पाठ्यक्रम को और सशक्त करने की क्षमता हो। परंपरागत रूप से उपलब्ध पुस्तकों में QR कोड की सहायता से और अधिक सूचनाएं तथा अतिरिक्त प्रभावी सामग्री जोड़कर उन्हें और अधिक सक्रिय तथा उर्जावान बनाया जा सकता हैं। अध्यापकों की आवश्यकता के अनुसार उनके द्वारा चिन्हित पाठ के कठिन भागों में QR कोड को प्रिंट कर दिया गया है, इन QR कोडस से विडियो, अभ्यास कार्यपत्रक और मूल्यांकन शीट को लिंक कर दिया गया है।

विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरूग्राम को मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालयय (MHRD) के दीक्षा पोर्टल हेतु राज्य की नोडल एजेंसी बनाया गया है। इस सम्बन्ध में 12 जुलाई 2018 को शैक्षिक तकनीक (Educational-Technology) के राज्य संसाधन समूह (SRG) की एक संगोष्ठी आयोजित की गयी, जिसमें MHRD द्वारा हरियाणा राज्य के लिए नियुक्त टीम की सहायता से शैक्षिक सत्र 2018–19 हेतु राज्य के लिए एक दीक्षा कैलेंडर तैयार किया गया है इस सम्पूर्ण कार्य को मुख्यतः दो चरणों में विभक्त किया गया है–

प्रथम चरण : QR कोड युक्त पुस्तकें तैयार करना।

द्वितीय चरण : QR कोड से लिंक ई–कंटेंट तैयार करना।

विद्यालय अध्यापकों, डाइट एवं SCERT के विषय–विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा कक्षा 1-5 तक की हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं EVS विषय पर तैयार राज्य की पाठ्य–पुस्तकों का बारीकी से पुनरावलोकन प्रारंभ हुआ और कार्यशालाओं में इस कार्य के प्रथम चरण को पूरा किया गया। राज्य भर से चुने हुए इच्छुक कर्मठ अध्यापकों के सहयोग से चरण–2 के अंतर्गत ई–कंटेंट को निर्मित व संकलित करने का कार्य जारी है। इस कार्य के प्रथम चरण को पूर्ण करने के लिए परिषद श्रीमती पूनम भारद्वाज, अनुभागाध्यक्ष, शैक्षिक तकनीक विभाग तथा श्री मनोज कौशिक, समन्वयक (QR Code Project) का आभार व्यक्त करती है। परिषद इस कार्य को पूर्ण करने के लिए श्री नंद किशोर वर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, रूबी सेठी, अध्यापिका, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राजेश कुमारी, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, दीप्ता शर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राम मेहर, वरिष्ठ विशेषज्ञ, डाइट, माछरौली, झज्जर, धुपेंद्र सिंह, डाइट, विषय विशेषज्ञ, मात्रश्याम, हिसार, नरेश कुमार, विषय विशेषज्ञ, डाइट, डींग, सिरसा, डॉ एम.आर. यादव, प्राध्यापक, रा.व.मा.वि. निजामपुर, नारनौल, महेंद्रगढ़, काद्यान यशवीर सिंह, अध्यापक, रा0व0मा0वि0, वजीराबाद, गुरूग्राम, डॉ पूजा नंन्दल, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. झज्जर, विरेंद्र, बी.आर.पी. बी.आर.सी. सालहावास, झज्जर, किरण परूथी, अध्यापिका, रा.व.मा.वि. खेडकी दौला, गुरूग्राम, बिन्दु दक्ष, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. जैकबपूरा, गुरूग्राम का भी हद्य से आभार व्यक्त करती है।

निदेशक

एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम

दीक्षा एप कैसे डाउन लोड करें ?

विकल्प 1: अपने मोबाइल ब्राउजर पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2: अपने एंड्राइड मोबाइल के Google Play store पर DIKSHA NCTE खोजें और "डाउनलोड" बटन को दबाएँ।

मोबाइल पर **QR** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

1 DIKSHA App लॉन्च करें और "गेस्ट के रूप में ब्राउज करें" पर क्लिक करें।

2 विद्यार्थी के रूप में जारी रखने के लिए विद्यार्थी पर क्लिक करें।

3 पाठ्य पुस्तकों में QR कोड स्कैन करने के लिए DIKSHA App में दिए गए QR कोड Icon Tap करें

4 डिवाइस को QR कोड की दिशा में इंगित करें और QR कोड पर के ऊपर केंद्रित करें।

5 सफल स्कैन पर QR कोड से जुड़ी डिजिटल पाठ्य सामग्री सूचीबद्ध है।

डेस्कटॉप पर **DIAL** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

पाठ्य पुस्तक में QR कोड के नीचे 6 अंकों का एक कोड रहता है

1 जिसे DIAL कोड कहते हैं।

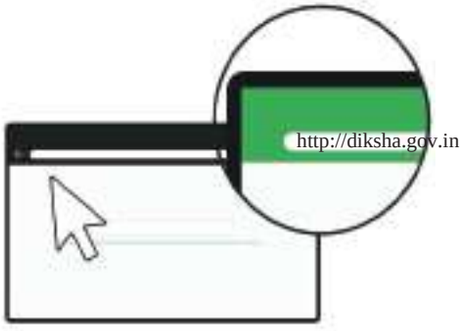

2 ब्राउजर पर **diksha.gov.in/hr/get** टाइप करें।

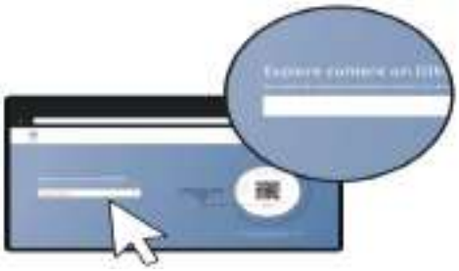

3 सर्च बार में DIAL कोड टाइप करें।

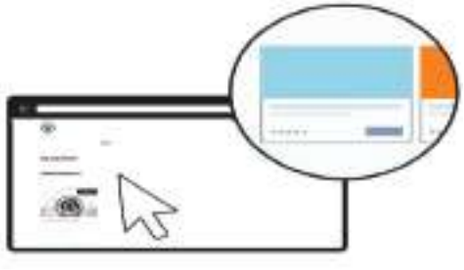

4 सभी उपलब्ध पाठ्य सामग्री की सूची देखिए और किसी भी पाठ्य सामग्री पर क्लिक करे और देखे।

fo"k;&lwph

7U51F9

Øekad	ikB dk uke	foèkk	i"B laö
1.	देश की माटी	(कविता)	1
2.	साझे की खेती	(लोककथा)	5
3.	इठलाती बूँद	(निबंध)	10
4.	मीठे बोल	(कविता)	15
5.	दिव्या की चिट्ठी	(पत्र)	20
6.	चींटी और मक्खी	(कविता)	24
	• चींटी और हाथी	(कुछ और पढ़ें)	28
7.	मेरी गुजरात यात्रा	(डायरी)	29
8.	भाईचारा	(कहानी)	37
	• ये बात समझ में आई नहीं	(कुछ और पढ़ें)	41
9.	चाँद का कुरता	(कविता)	43
10.	कर्म की जीत	(कहानी, गीता)	46
	• शेर और मच्छर की मुठभेड़	(कुछ और पढ़ें)	53
11.	पहेलियाँ	(कविता)	56
12.	हरियाली तीज	(निबंध)	64
	• सावन आया	(कुछ और पढ़ें)	71
13.	चुहिया का विवाह	(कहानी)	72
14.	यह मेरा हरियाणा	(कविता)	77

ikB 1

देश की माटी

देश की माटी देश का जल,
हवा देश की देश के फल,
सरस बनें प्रभु सरस बनें।

देश के घर और देश के घाट,
देश के वन और देश के बाट,
सरल बनें प्रभु सरल बनें।

देश के तन और देश के मन,
देश के घर के भाई–बहन,
विमल बनें प्रभु विमल बनें।

– गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर

अभ्यास

7UMSIJ

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa &

- तन – शरीर
- बाट – रास्ता
- माटी – मिट्टी
- विमल – साफ/स्वच्छ
- सरस – रस भरा

2- dfork ls &

(क) कविता के प्रत्येक पद में कवि ने देश के लिए अलग–अलग कामना की है। कविता को पढ़कर लिखें कि निम्नलिखित कामना किसके लिए की गई है।

- सरस बनें ____________________
  ____
  ____
- सरल बनें ____________________
  ____
  ____
- विमल बनें ____________________
  ____
  ____
  ____

(ख) कविता के रचनाकार का नाम लिखें।

____

3- vkidh ckr &

(क) इस कविता को आप क्या नाम देना चाहेंगे?

(ख) यदि आपको प्रभु से कोई तीन चीज़ें माँगने को कहा जाए तो आप कौन सी तीन चीज़ें माँगेंगे?

(ग) विद्यालय के लिए काम करना भी देश के लिए काम करना ही है। आप अपने विद्यालय के लिए क्या–क्या काम करते हैं ?

4- lqu vkj cksy &

- आशा
- विशेष
- सुषमा
- देश
- अभिलाषा
- शाबाश

7UHNK7

5- Hkk"kk dh ckr &

(क) नीचे कुछ शब्द लिखें हैं जो उलट–पलट हो गए हैं। इन्हें ठीक करके लिखें –

र ल स	सरल	र स र	सरस
ग स ज	_____	ल फ स	_____
फ र स	_____	ब स ल	_____
म झ स	_____	म क ल	_____

(ख) घाट और बाट में तुकबंदी है। नीचे लिखे शब्दों की तुकबंदी करते हुए दो–दो शब्द लिखें –

घाट	_____	_____
तन	_____	_____
देश	_____	_____
जल	_____	_____

(ग) 'देश के घर के भाई–बहन' पंक्ति में भाई–बहन शब्दों के बीच (–) चिह्न है जो योजक चिह्न कहलाता है। इस (–) चिह्न का प्रयोग करते हुए अन्य शब्द लिखें –

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

(घ) 'ठंडा जल' दो शब्द हैं। इसमें ठंडा जल की विशेषता बताता है। नीचे ऐसे ही कुछ शब्द दिए गए हैं जो अलग–अलग वस्तुओं की विशेषता बताते हैं। खाली स्थान में उनके नाम लिखें।

ठंडा _____ जल

हरे–भरे _____

मीठा _____

स्वच्छ _____

सुंदर _____

छोटे _____

6- dfork ls vkx&

दिए गए खाली स्थानों में उचित शब्द भरें –

- मेरे देश का नाम _____ है।
- मेरे राज्य का नाम _____ है।
- मेरे जिले का नाम _____ है।
- मेरे गाँव/शहर का नाम _____ है।
- मेरे स्कूल का नाम _____ है।

f'k{kd d fy, – हाव–भाव के साथ पहले कविता का वाचन स्वयं करें तथा फिर बच्चों से गायन करवाएँ। प्रत्येक गतिविधि को करने के लिए उचित निर्देश देते हुए बच्चों का मार्गदर्शन करें।

ikB 2

साझे की खेती

7V6JLU

एक चिड़िया थी। मेहनती और भोली–भाली। उसने इधर–उधर से तिनके इकट्ठे करके पेड़ पर अपना घोंसला बनाया। चिड़िया ने कपड़े की कतरनें, धागे और सुतलियाँ जमा कर घोंसले में बिछा दी। अब वह घोंसले में आराम से रात बिताती। दिन में दाना–चुग्गा खाकर इधर–उधर फुदकती। इस प्रकार वह सुखपूर्वक दिन बिताने लगी। एक दिन एक कौआ उसी पेड़ पर आ बैठा। वह बहुत ही चालाक था। उसने देखा कि चिड़िया बहुत ही भोली–भाली है– क्यों न, इससे दोस्ती कर ली जाए। वह प्रतिदिन शाम के समय पेड़ पर आ कर बैठ जाता। धीरे–धीरे उन दोनों में मित्रता हो गई।

एक दिन कौए ने चिड़िया से कहा–हम दोनों अपना पेट भरने के लिए इधर–उधर भटकते रहते हैं। क्यों न, हम मिलकर खेती करें। चिड़िया को कौए की यह बात बहुत पसंद आई। वह खेती करने के लिए झट से तैयार हो गई। दोनों ने घूम–फिरकर एक खेत चुना। गरमी बीत गई। बाजरे की बिजाई का मौसम आ गया। चिड़िया ने कौए से कहा, मेरे साथ चलो। आज हम हल चलाकर खेत तैयार करेंगे। कौआ, चिड़िया की बात सुनकर बहुत खुश हुआ और आँखें मटकाते हुए बोला –

r| py e| vkrk g|]
BMk ikuh ihrk gA
eD[ku jkVh [kkrk g|]
rj| fy, Hkh ykrk gA

चिड़िया खेत में सारा दिन अकेली ही काम करती रही, लेकिन कौआ नहीं आया ।

कुछ दिन बाद चिड़िया ने कौए से कहा–मेरे साथ चल, आज खेत में बीज बोने हैं। कौए ने इस बार भी पहले वाले अंदाज़ में कहा –

r| py e| vkrk g|]
BMk ikuh ihrk gA
eD[ku jkVh [kkrk g|]
rj| fy, Hkh ykrk gA

चिड़िया फिर खेत में अकेली ही पूरा दिन बीज बोती रही, लेकिन कौआ नहीं आया। उसने कौए से पूछा तो कौए ने बहाना बनाकर उसे टाल दिया। धीरे–धीरे खेत में बाजरे के सिरटे निकल आए और फसल पककर तैयार हो गई। चिड़िया ने अकेले ही लामणी और मढ़ाई की। पहले की तरह इस बार भी कौए ने बहाना बनाया। आलसी और कामचोर कौए ने कुछ भी काम नहीं किया। जब बँटवारे की बात आई तब वह चिड़िया से पहले लंबे–लंबे डग भरता हुआ खेत में पहुँच गया। खेत में एक तरफ बबूले का ढेर था तथा दूसरी तरफ बाजरे की ढेरी। कौए ने आव देखा न ताव, झट से उड़कर बबूले के ढेर पर जा बैठा। वह आँखें मटकाता, ताली बजाता हुआ बोला–लो हो गया बँटवारा। यह ढेरी मेरी और वह तेरी।

बाजरे की फसल देखकर चिड़िया
हो गई खुश! गाने लगी चीं–चीं करके–

ckt jk dg e cMk vyc yk]
nk eLly r yM vd ykA
t fejh ukt k f[kpMh [k;]
Qy&Qy dkBh gk t k;A

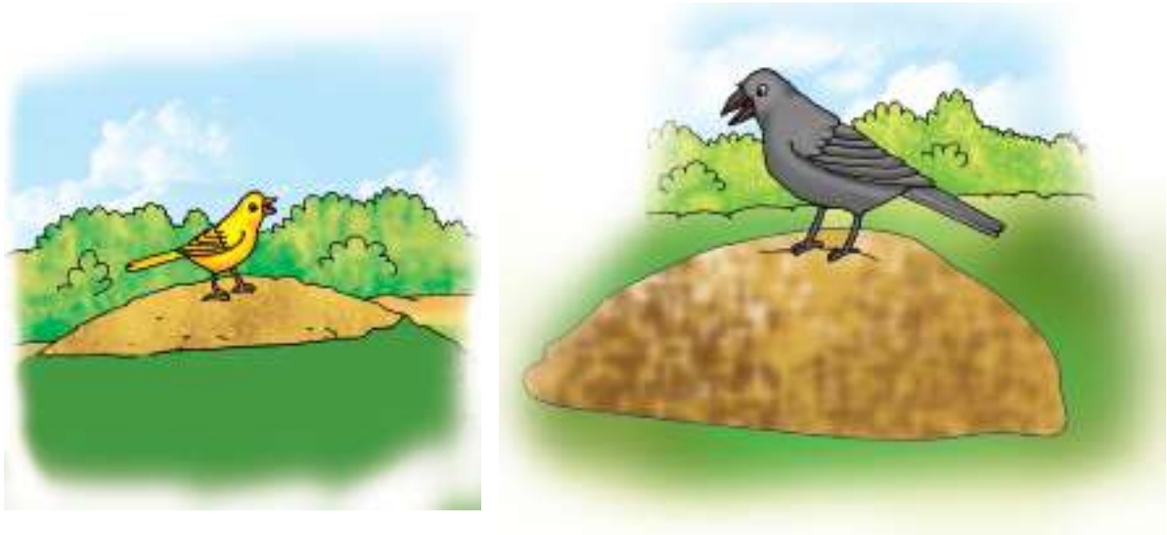

चिड़िया मन ही मन हैरान हुई कि पता नहीं क्यों कौए ने बाजरा छोड़कर बबूले के ढेर को चुना ? क्या तुम्हें पता है ?

चिड़िया ले गई सारा बाजरा ढो–ढोकर अपने घर। साँझ हुई तो चूल्हा फूँका और बनाई राबड़ी। खुद भी खाई, बच्चों को भी खिलाई। खाते–खाते गाने लगी–

मीठी लागै बाजरे की राबड़ी रे
दल चक्की से हांडी पे गेरी
नीचे लगा दी लाकड़ी रे
मीठी लागै बाजरे की राबड़ी रे
राँध–रूँध थाली में घाली
ऊपर आ गई पापड़ी रे
मीठी लागै बाजरे की राबड़ी रे

–हरियाणवी लोककथा

अभ्यास

7VFFNH

1- vkb,] 'kCnk dk vFk tkus&

- डग भरना – कदम बढ़ाना
- बबूला – बाजरे का भूसा
- मढ़ाई – भूसे और अनाज को अलग करना
- सिरटे – बाजरे का दानेदार हिस्सा
- लामणी – फसल की कटाई

2- dgkuh ls &

(क) कौआ रोज उसी पेड़ पर क्यों आने लगा?

____

(ख) कौए ने क्या कहकर चिड़िया को खेती करने के लिए राजी किया?

____

(ग) चिड़िया के खेत चुनने से लेकर फसल पकने तक के कामों को क्रमानुसार लिखें –

मढ़ाई, लामणी, बिजाई, हल–चलाना।

____

(घ) कौआ, चिड़िया के साथ काम करने क्यों नहीं जाता था ?

____

3- vkidh ckr &

(क) यदि कौए के स्थान पर आप चिड़िया के साथ साझे की खेती करते तो क्या–क्या करते?

(ख) कौए ने बबूले का ढेर चुना। जब उसे उसकी असलियत पता चली होगी तो क्या हुआ होगा?

(ग) अनुमान लगाकर बताइए कि कौए ने बबूले के ढेर को क्यों चुना होगा?

(घ) जब भी चिड़िया ने कौए को काम करने के लिए बुलाया, उसने कोई न कोई बहाना बना दिया। सोचकर बताएँ, उसने कौन–कौन से बहाने बनाए होंगे।

(ङ) क्या आपने कभी कोई पौधा लगाकर उसकी देखभाल की है ? यदि हाँ तो अपने पौधे के बारे में बताइए–

पौधे का नाम ——————————

कब लगाया ——————————

कैसे देखभाल की ——————————

अब वह कितना बड़ा है ——————————

उसे देखकर आपको कैसा लगता है ? ——————————

4- Hkk"kk dh ckr &

(क) चिड़िया ईमानदार थी।

इस वाक्य में 'ईमानदार' शब्द ईमान + दार से बना है। ऐसे ही कुछ और शब्द बनाएँ।

समझ	+	दार	–	समझदार
खबर	+	————	–	————————
दाग़	+	————	–	————————
पहरे	+	————	–	————————

(ख) कौए ने ^vko n[kk u rko* झट से उड़कर बबूले के ढेर पर जा बैठा। 'आव देखा न ताव' एक मुहावरा है जिसका अर्थ है बिना सोचे समझे। इस मुहावरे का प्रयोग करते हुए कुछ वाक्य बनाएँ –

——————————————————————————————

——————————————————————————————

ikB 3

इठलाती बूँद

7VY7RS

नन्ही–सी बूँद सागर की लहरों पर झूलती–झूमती इठला रही थी। उसका मन कल्पना की उड़ान भर रहा था। लहरों के झूले झूलती हुई बूँद सोच रही थी–काश! मैं आसमान में बादलों के संग उड़ती, वहाँ से खेतों को देखती, बाग–बगीचों को निहारती, बड़े–बड़े वृक्षों की ऊँची चोटियों को देख पाती।

यह सोचते–सोचते उस पर सूर्य की किरणों का चौंधा पड़ा। सूरज के ताप से गर्माहट पाकर वह भाप बनकर आसमान में उड़ चली। बादलों के संग मिलकर देश–देश घूमी, ऊँचे पर्वतों की चोटियों को छूती हुई आगे निकल गई।

खेतों और बाग–बगीचों को देखकर वह कुछ उदास हुई। खेत उतने हरे न थे, बगीचों में फूल उतने रंगीले न थे, बागों में फल उतने रसीले न थे, जितने उसने सोचे थे। किसान बार–बार आसमान की ओर ताक रहे थे। उनके चेहरे पर उदासी थी। वे सूखे खेतों को देखकर निराश

थे। ये सब देखकर बूँद का सारा उत्साह ठंडा पड़ गया। उसका मन दुख से पिघल गया और वह धरती पर आ गिरी।

बूँद मिट्टी में मिलकर एक पेड़ की जड़ तक जा पहुँची। पेड़ के तने ने उसे ऊपर खींच लिया और उस टहनी तक पहुँचा दिया, जहाँ फल लगे थे।

किसान बाग में आया तो रसीले आमों को देखकर उसका मन झूम उठा। उन्हें टोकरे में लेकर जब वह बाज़ार पहुँचा तो मीठे रसीले आम हाथों–हाथ बिक गए।

जानते हो, उस बूँद का क्या हुआ? अरे! जो रसीला आम तुम चूस रहे हो उसी में तो वह बूँद छिपी है।

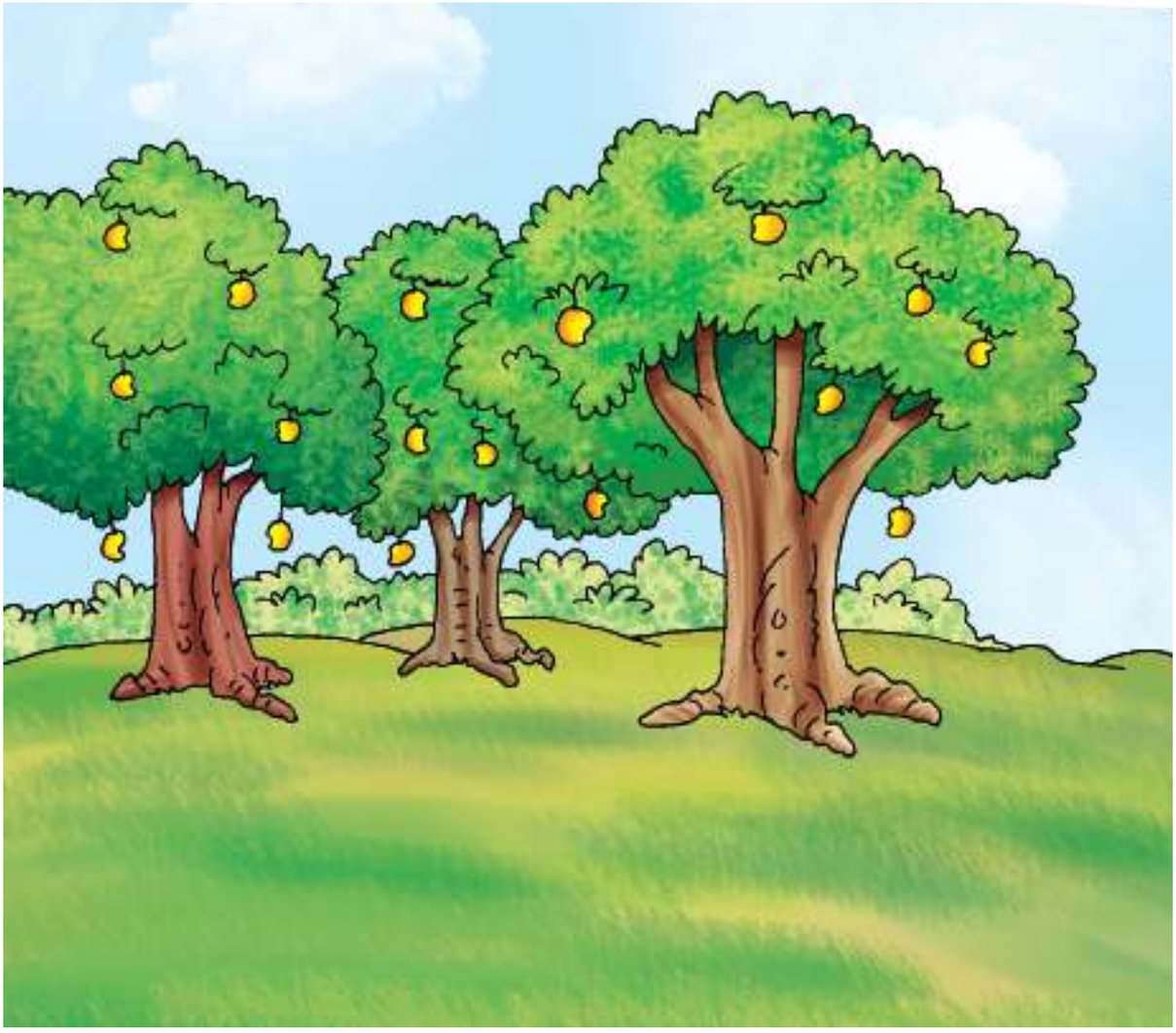

7H83TF

अभ्यास

1. आइए, शब्दों का अर्थ जानें:

- इठलाना – इतराना
- उत्साह – जोश
- ताकना – टकटकी लगाकर देखना
- निहारना – ध्यान से देखना
- वृक्ष – पेड़

2. पाठ से:

(क) नन्ही बूँद क्या सोच रही थी?

____

(ख) किसे देखकर बूँद का मन पिघल गया ?

____

(ग) किसान क्यों झूम उठा ?

____

(घ) बूँद का अंत कैसा रहा ?

____

3. आपकी बात:

(क) बूँद बादलों के संग आसमान में उड़ना चाहती थी। आपका मन क्या–क्या करना चाहता है?

(ख) बूँद सूखे खेतों को देखकर उदास हो गई थी। आप कब–कब उदास हो जाते हैं?

(ग) कोई घटना याद करके बताएँ, जब कुछ देखते या सुनते ही आपका मन झूम उठा हो।

4- Hkk"kk dh ckr&

7WGYV3

(क) बड़े–बड़े वृक्षों की ऊँची चोटियों को देख पाती ।
वृक्ष शब्द में ऋ की मात्रा (ृ) है। ऐसे ही दो और शब्द लिखिए, जिनमें ऋ की मात्रा हो।
———————— ————————

(ख) मेज पर आम की टोकरी रखी है।
मेज पर आम की टोकरियाँ रखी हैं।
यहाँ टोकरी से अभिप्राय है 'एक टोकरी' टोकरियाँ से अभिप्राय है 'एक से ज़्यादा टोकरी'।
ऐसे ही अन्य शब्द बनाइए–

लड़की	लड़कियाँ	रोटी	————
कुरसी	————	बोरी	————
लकड़ी	————	बकरी	————
चोटी	————	टहनी	————

(ग) खाता है/खाती है
सोहन आम खाता है।
रीटा आम खाती है।
सोहन लड़का है इसलिए 'खाता' आया है। रीटा लड़की है इसलिए 'खाती' आया है।
ऐसे ही कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं उनसे वाक्य बनाइए।

- पीता – ————————————————————
- पीती – ————————————————————
- खेलता – ————————————————————
- खेलती – ————————————————————
- चलता – ————————————————————
- चलती – ————————————————————

- गाता – _____
- गाती – _____

(घ) 'मिट्टी' शब्द को ऐसे भी लिखते हैं– मिट्‌टी। दिए गए शब्दों को भी इसी प्रकार लिखें–

- खट्टा – _____
- पट्टी – _____
- भट्टी – _____
- चट्टान – _____
- छुट्टी – _____

5- cn dk lQj

नीचे बूँद की यात्रा दिखाई गई है। उसके पड़ावों का सही क्रम लिखें।

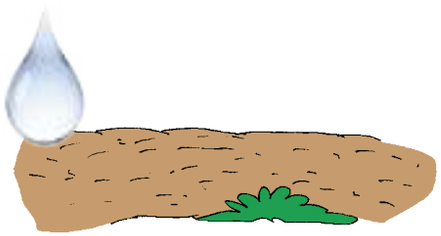

☐

☐

☐

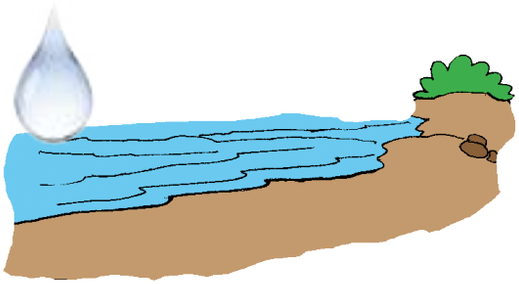

☐

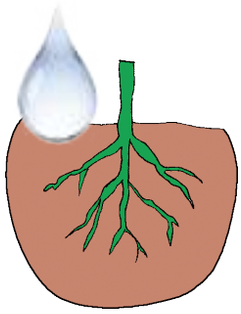

☐

☐

ikB

4 मीठे बोल

7HQUHQ

मीठा होता खस्ता खाजा,
मीठा होता हलुआ ताजा।
मीठे होते गट्टे गोल,
सबसे मीठे, मीठे बोल।

मीठे होते आम निराले,
मीठे होते जामुन काले।
मीठे होते गन्ने गोल,
सबसे मीठे, मीठे बोल।

मीठा होता दाख छुहारा,
मीठा होता शक्कर पारा।
मीठा होता रस का घोल,
सबसे मीठे, मीठे बोल।

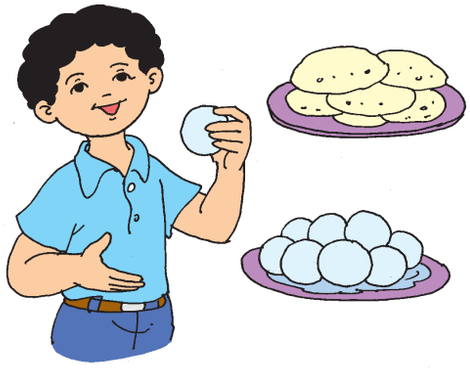

मीठी होती पुआ सुहारी,
मीठी होती कुसली न्यारी।
मीठे रसगुल्ले अनमोल,
सबसे मीठे, मीठे बोल।

—सोहनलाल द्विवेदी

अभ्यास

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- अनमोल — कीमती
- कुसली — गुझिया
- खस्ता — भुरभुरा
- खाजा — एक मिठाई
- गट्टे — एक मिठाई जो चने के आटे से बनती है।
- पुआ — मीठा पूड़ा
- शक्कर पारा — खुरमा
- सुहारी — मीठी पूड़ी

2- dfork ls &

(क) कविता में किन–किन मिठाइयों के बारे में बताया गया है ?

____

(ख) सबसे मीठा किसे बताया है और क्यों ?

____

(ग) आम को निराला क्यों कहा है ?

____

3- vkidh ckr &

(क) आपको कौन–कौन से फल मीठे लगते हैं ?

(ख) यदि हम सब मीठा बोलना शुरू कर दें, तो क्या होगा ?

(ग) रसगुल्ले का नाम रसगुल्ला क्यों पड़ा होगा ?

(घ) मीठा बोलने से हमें क्या लाभ होता है ?

4- dfork ls vkxs &

(क) दिए गए फलों के नाम के सामने उनके रंग का नाम लिखें।

Qy	j|x	Qy	j|x
1. संतरा		2. बेर	
3. अंगूर		4. अनार	
5. पपीता		6. आलूबुखारा	

(ख) मीठा होता हलुआ ताजा। हलवा किन–किन चीजों से बनाया जा सकता है ?

1. ———————— 2. ————————
3. ———————— 4. ————————

(ग) मीठे होते गन्ने गोल। गन्ने से क्या–क्या चीजें बनती हैं ?

1. ———————— 2. ————————
3. ———————— 4. ————————

89DZEX

5- Hkk"kk dh ckr &

(क) मीठा होता खस्ता खाजा। जैसे–मीठी होती पुआ सुहारी। यहाँ खस्ता खाजा के लिए मीठा तथा पुआ सुहारी के लिए मीठी शब्दों का प्रयोग हुआ है। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, इन्हें भी इसी तरह से प्रयोग करके लिखें–

पीला	कपड़ा	पीली	पैंट
मोटा	————————	मोटी	————————
छोटा	————————	छोटी	————————
बड़ा	————————	बड़ी	————————

(ख) मीठे होते गन्ने गोल। मीठा होता शक्करपारा।

'गन्ने शब्द में एक साथ आधा (न्) और पूरा न का प्रयोग हुआ है। ऐसे ही 'शक्करपारा शब्द में क्क और क का प्रयोग हुआ है। आप भी इसी तरह के शब्द लिखें।

1. ———————————— 2. ————————————
3. ———————————— 4. ————————————

vkius fdruk lh[kk

1- lgh vFkZ ij ¼✓½ dk fu'kku yxk,¡&

- सरस – सुहावना / रसभरा
- लामणी – फसल की कटाई / फसल की बुवाई
- उत्साह – उन्नति / जोश
- खाजा – मिठाई / जगह का नाम

2- oLrqvksa dks mudsa xq.k ls feyku djsa&

जल	कच्चा
वन	नन्ही
फल	ठंडा
बूँद	हरे–भरे

3- ?kkV vkSj ckV esa rqdcanh gS] rqdcanh djrs gq, fuEufyf[kr ds 2&2 'kCn fy[ksa&

- देश ______________ ______________
- तन ______________ ______________

4- fuEufyf[kr iz'uksa ds mÙkj iwjs okD; esa fy[ksa&

- कौए ने क्या कहकर चिड़िया को खेती करने के लिए राजी किया?

____

____

- बूँद का मन क्या देखकर पिघल गया?

____

____

5- bleku $ nkj ¾ blekunkj] ,sls gh nkj 'kCn tkMdj 'kCn cuk,&

- खबर + दार = ______________
- पहरे + दार = ______________

6- fuEufyf[kr 'kCnksa dk i;kZx djrs gq, okD; cuk,&

- खेलता ______________
- खेलती ______________
- बकरी ______________
- बकरियाँ ______________

7- ,slh nks phtksa d uke fy[ksa tks xksy o ehBh gksa&

- ____________________________
- ____________________________

8- xUus ls D;k&D;k curk gS] fy[ks\

____________ ____________

____________ ____________

ikB 5

दिव्या की चिट्ठी

89HVGK

दिव्या के दादा–दादी गाँव में रहते हैं। हर बार छुट्टियों में वह उनके पास जाती है, लेकिन इस बार दिव्या गरमी की छुट्टियों में अपनी बुआजी के घर गईं, वहाँ कुछ दिनों बाद उसने अपने पिताजी को चिट्ठी लिखी। आओ देखें, उसने चिट्ठी में क्या लिखा है?

प्यारे पापा,

नमस्ते।

मुझे आपकी और मम्मी की बहुत याद आ रही है। बुआजी मुझे बहुत प्यार करती है, और कभी–कभी अपने साथ बाज़ार भी ले जाती हैं, लेकिन मुझे बाहर खेलने नहीं जाने देती। मैं और सोनू घर में अकेले ही खेलते हैं। बुआजी मुझे ही घर के काम करने के लिए कहती हैं, सोनू को नहीं। आप बुआ जी को कहना कि वह मुझे भी खेलने के लिए बाहर जाने दें और सोनू को भी घर के कुछ काम करने को कहें। सोनू ने मेरी वह गेंद गुम कर दी, जो मम्मी ने मुझे जन्म दिन पर दी थी।

मेरा जो दाँत टूट गया था, उसकी जगह अब नया दाँत निकलने लगा है। पापा, अब तो हमारी गाय का बछड़ा भी खूब उछल–कूद करता होगा।

पापा, आप मुझे लेने कब आओगे ? आते समय आप मेरे और सोनू भैया के लिए चाबी वाली कार, पटरी वाली रेल, ताली बजाने वाला बंदर और ढेर सारे खिलौने लेकर आना।

आपकी बेटी,

दिव्या

पत्र लिखकर दिव्या ने लिफाफे में बंद किया और बुआजी से पूछकर लिफाफे पर पापा का पता लिखा।

आओ, अब जानें कि दिव्या का पत्र उसके पापा के पास कैसे पहुँचा ?

fpëh dk lQj

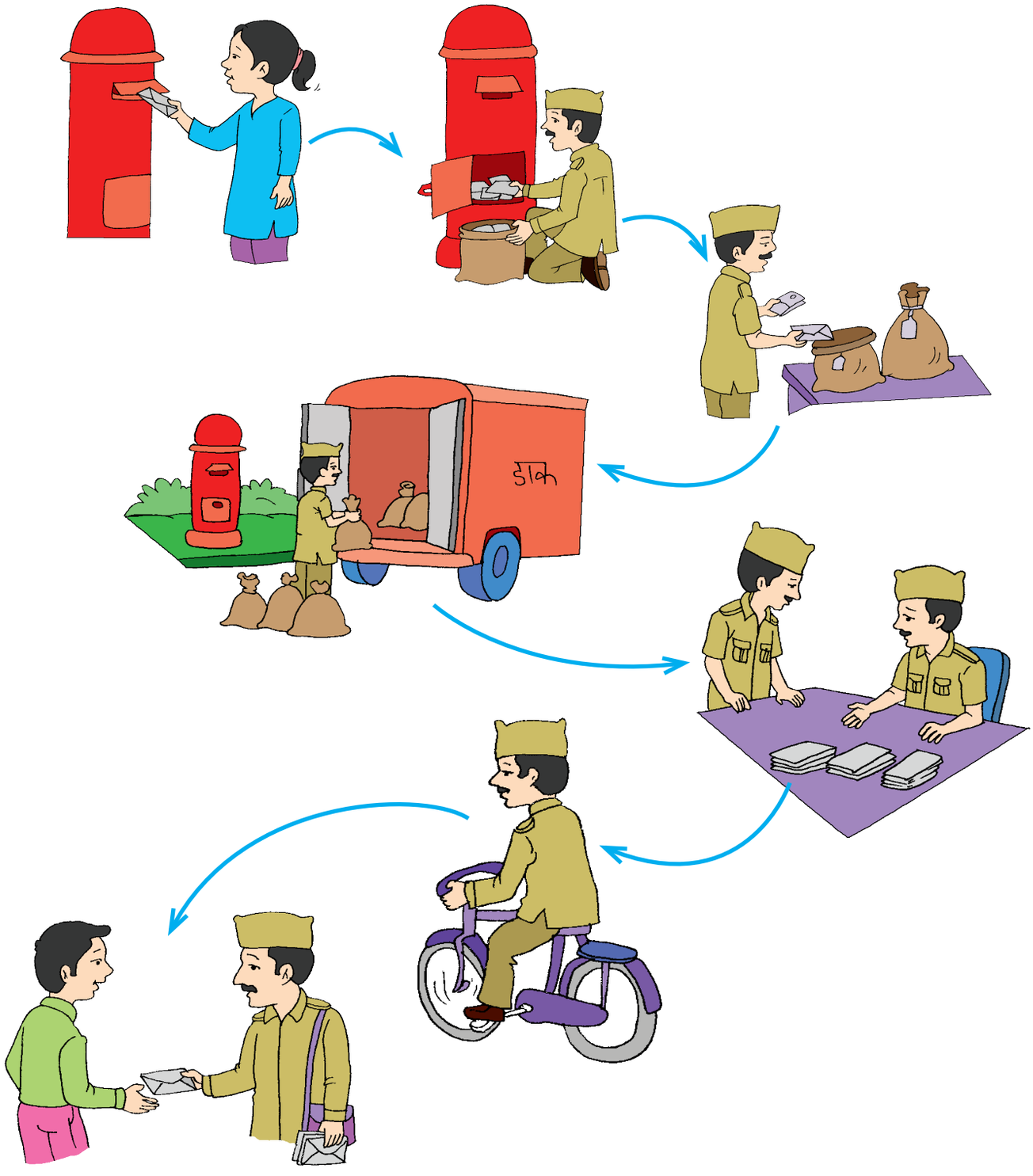

अभ्यास

89WRI8

1- i= ls &

(क) दिव्या ने किसको पत्र लिखा ?

(ख) दिव्या ने पापा को क्या–क्या लाने को कहा ?

(ग) सोनू ने दिव्या की कौन सी चीज़ गुम कर दी ?

2- vkidh ckr &

(क) दिव्या अपनी माँ को 'मम्मी' कहकर पुकारती है। आप अपनी माँ को क्या कहते हैं ?

(ख) दिव्या के भाई का नाम सोनू है। आपके भाई–बहन के क्या नाम हैं?

(ग) आपको दिव्या के पत्र में कौन–सी बात सबसे अच्छी लगी ?

(घ) जब दिव्या के पिता उसे लेने आएँगे तो सबसे पहले वह क्या कहेगी ?

(ङ) आप अपनी बात को दूर बैठे किसी व्यक्ति तक किन–किन तरीकों से पहुँचा सकते हैं?

(च) दिव्या के पापा ने उसकी चिट्ठी का ज़वाब दिया है। सोचकर बताएँ, उन्होंने चिट्ठी में क्या–क्या लिखा होगा ?

3- fn, x, 'kCnksa ls okD; iwjs djks &

पत्र	लैटर–बॉक्स	डाकघर	पत्र–पेटी	डाकिया

(क) दिव्या ने चिट्ठी को ———————— में डाला।

(ख) पत्र–पेटी में से ———————— पत्र ले गया।

(ग) ———————— में पत्रों पर मुहर लगाई जाती है।

(घ) पत्र–पेटी को ———————— भी कहते हैं।

(ङ) चिट्ठी का दूसरा नाम ———————— भी है।

8A6MJV

4- Hkk"kk dh ckr&

¼d½ i<s vkj fy[ks &

प्रार्थना ———————— विद्यालय ————————

आज्ञाकारी ———————— शिष्या ————————

श्रीमती ———————— सविनय ————————

¼[k½ eku yks fd vkidk viuk pkpk th dh 'kknh esa tkus d fy, nks fnu dk vodk'k pkfg, A bld fy, viuh e[; vè;kfidk dks ikFkuk i= viuh vH;kl iqfLrdk esa fy[ksA

5- i<s] le>s vkj fy[ks &

egkn; & egkn;k

श्रीमती ————————

अध्यापक ————————

माता ————————

6- 'kCnksa dh jsy

नीचे दी गई शब्दों की रेल पूरी करें। ध्यान रहे, अगला शब्द पहले शब्द के आखिरी अक्षर से शुरू हो।

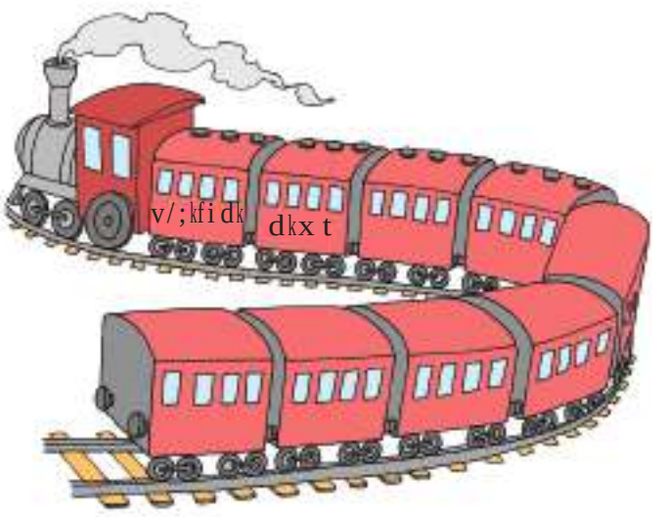

f'k{kd d fy, – वास्तविक पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र व लिफाफा लाकर बच्चों को दिखाएँ। यह भी बताएँ कि लिफाफे पर डाक टिकट लगाना आवश्यक है।

ikB

6 चींटी और मक्खी

चींटी से मक्खी यूँ बोली,
सुन री, मेरी बहना भोली।
तू दिन भर पचती मरती,
तभी पेट अपना तू भरती।
तुझे कभी आराम नहीं है,
देख! मुझे कुछ काम नहीं है।

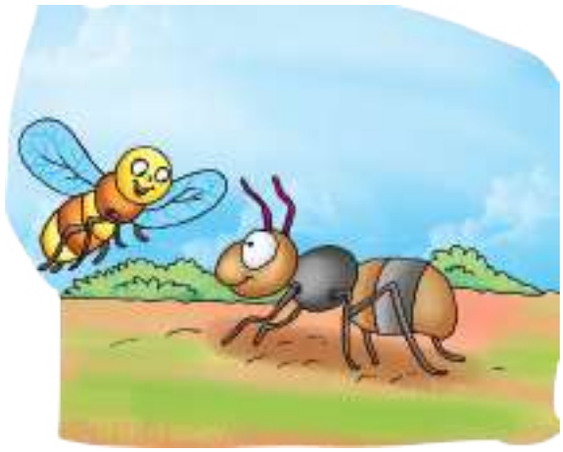

चींटी बोली, न री न, न,
मुझे न ऐसा काम सिखाना।
बिन मेहनत की दूध मलाई,
गिरकर खाई, तो क्या खाई।
मेहनत का हो सूखा दाना,
थोड़ा हो, पर सुख से खाना।

जहाँ करे मन, मैं उड़ जाऊँ,
जो जी में आए, सो खाऊँ।
तू दाना–दाना लेकर जाती,
मैं भिन–भिन, भिन–भिन गीत सुनाती।
ओ बहना, हम तुम मिल जाएँ,
दिन भर खाएँ, दिन भर गाएँ।

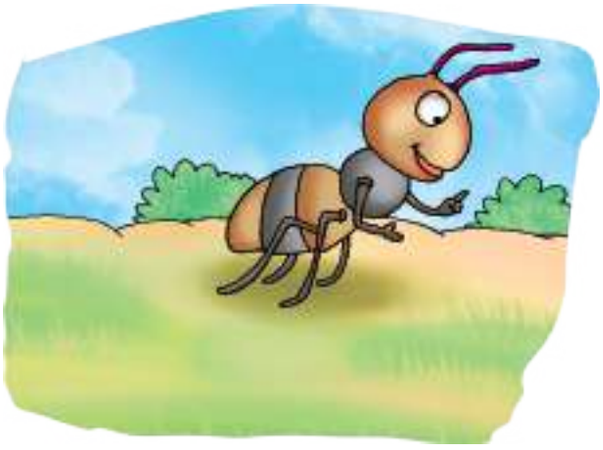

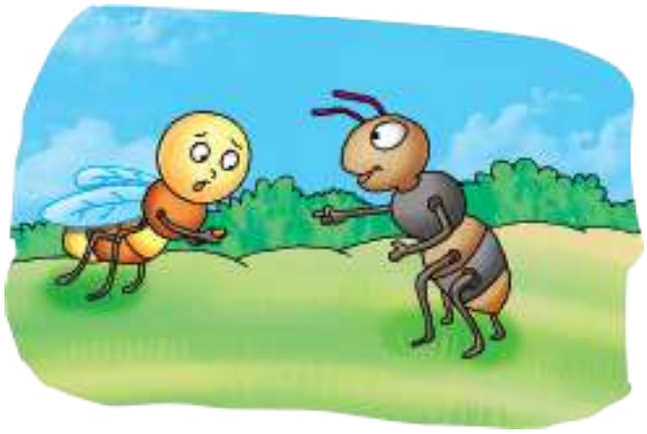

मैं मेहनत करके खाती हूँ,
तभी सदा आदर पाती हूँ।
तुझको जो देखे झल्लाए,
कहीं नहीं तू आदर पाए।
जो मेहनत से कतराते हैं,
वे जीवन भर पछताते हैं।

यह कहकर चींटी मुस्काई,
मक्खी घबराई, शरमाई।
अब भी बात याद जब आए,
मक्खी हाथ मले पछताए।

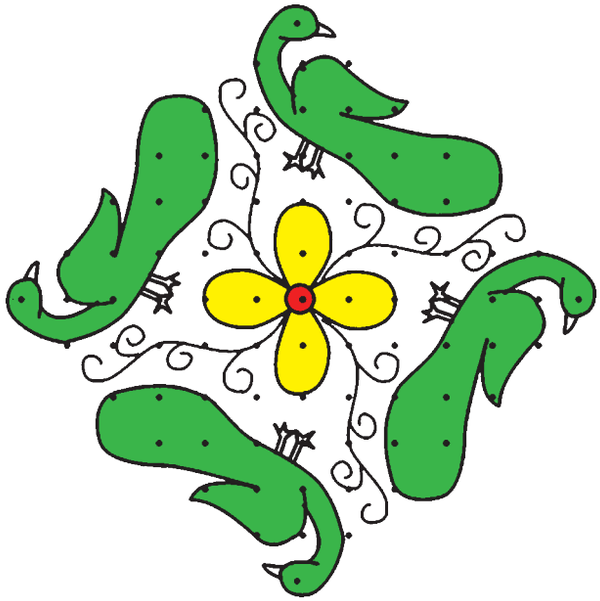

अभ्यास

8APEN6

1- vkb,] 'kCnk dk vFk tku&

- पचती मरती – मेहनत करते रहना
- झल्लाना – खीझना
- कतराना – बचना

2- dfork ls &

(क) चींटी अपना पेट कैसे भरती है ?

____

(ख) मक्खी दिन भर क्या काम करती है ?

____

(ग) चींटी को आदर क्यों मिलता है ?

____

(घ) जीवन भर किसको पछताना पड़ता है और क्यों ?

____

(ङ) चींटी ने मक्खी की सलाह को क्यों नहीं माना ?

____

(च) मक्खी को किस बात पर पछतावा है ?

____

3- vkidh ckr &

(क) आप कब–कब व किन पर झल्लाते हैं ?

(ख) अपना कोई एक अनुभव बताइए, जब आपने खूब मेहनत की हो और उस काम के लिए आपकी प्रशंसा हुई हो।

(ग) 'चींटी बोली, न री न, न।'

चींटी ने मक्खी की बात को इस तरह से स्वीकार नहीं किया। आप जब किसी बात को स्वीकार नहीं करते हैं तो किस तरह से बोलते हैं?

(घ) जहाँ करे मन, मैं उड़ जाऊँ,
जो जी में आए, सो खाऊँ।

1. आपका मन कहाँ–कहाँ उड़ना चाहता है?
2. वहाँ क्या–क्या देखना चाहते हैं?
3. आप वहाँ क्या–क्या खाना चाहते हैं?

4- Hkk"kk dh ckr&

c vkj Hk dk vrj&

चींटी से मक्खी यूँ बोली, सुन री, मेरी बहना भोली। इन पंक्तियों में 'बोली' शब्द का अर्थ बोलना तथा भोली का अर्थ सीधापन है। 'ब' और 'भ' के कारण दोनों में काफी अंतर है। नीचे ऐसे ही मिलते–जुलते शब्द दिए गए हैं। इन्हें वाक्य प्रयोग कर लिखें–

1. बालू _____
   भालू _____
2. बला _____
   भला _____
3. बात _____
   भात _____
4. बोली _____
   भोली _____
5. बाड़ _____
   भाड़ _____

phVh vkj gkFkh ¼dqN vkj i<+½

(क) तीन चींटियाँ रास्ते में बैठकर बातें कर रही थीं।

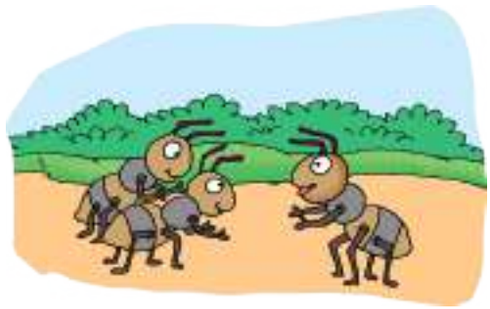

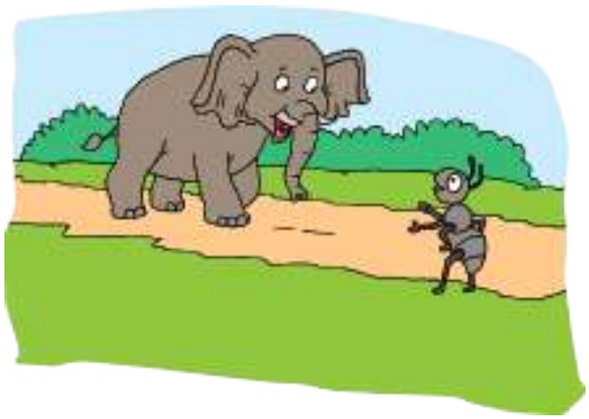

अचानक उस रास्ते से एक हाथी गुजरा।
एक चींटी हाथी से बोली–
ए हाथी, मुझसे कुश्ती करोगे ?

बाकी चीटियाँ बोली–अरी रहने दे,
यह बेचारा अकेला है।

(ख) एक चींटी हाथी पर बैठकर कहीं जा रही थी। रास्ते में एक कच्चा पुल आ गया। चींटी हाथी से बोली– भाई साहब, पार कर लोगे या मैं उतर जाऊँ।

ikB 7

मेरी गुजरात यात्रा

8B86RG

अमित की आयु तो अभी दस वर्ष की ही है किंतु उसे यात्रा करने का बड़ा शौक है। कहीं घूमने–फिरने का मौका वह कभी नहीं चूकता। अमित के चाचाजी गुजरात में रहते हैं। उन्होंने अमित को गरमियों की छुट्टियों में गुजरात भ्रमण के लिए अपने पास बुला लिया। गुजरात में अमित ने जो कुछ देखा और जाना उसे अपनी डायरी में इस प्रकार दर्ज किया है–

15 जून, 2015

लगभग 11 घंटे की रेलयात्रा के बाद आज सुबह ही गुड़गाँव से अहमदाबाद पहुँचा। रात भर रेलगाड़ी के हलके झटकों में नींद ठीक–ठाक आई परंतु थक गया था। दिन भर आराम करता रहा और शाम होते ही चाचाजी के साथ घूमने निकल पड़ा। गुजरात नाम के साथ ही गाँधी जी का चरखा मेरी आँखों के सामने घूमने लगा। गाँधी जी की जन्मभूमि के बारे में किताबों में मैंने खूब पढ़ रखा था, परंतु आज उसे अपनी आँखों से देखना अच्छा लग रहा था। साबरमती आश्रम में पहुँचा तो वही भजन सुनने को मिला जिसे मैंने अपने विद्यालय के मंच पर बहुत बार गाया है –

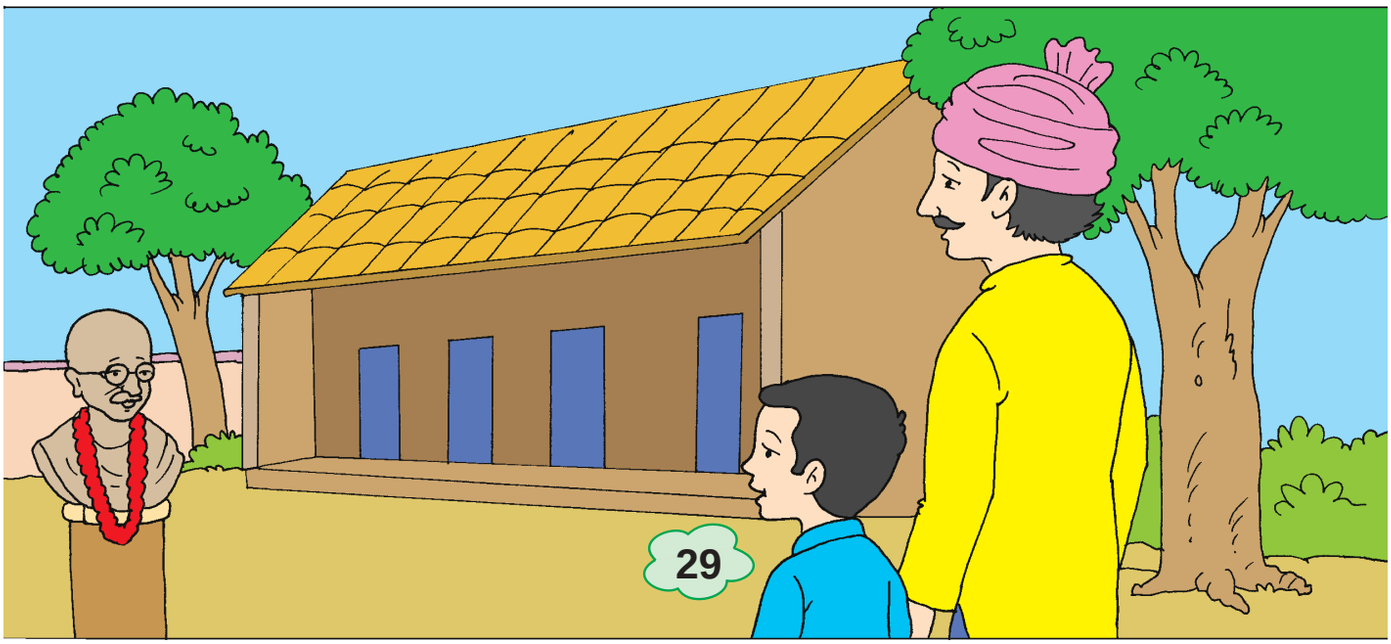

o".ko tu rks ruq dfg;s] ts ihM+ ijkbZ tk.ks js]
ij nq[ks midkj djs] rks;s eu vfHkeku u vk.ks jsA

मैं भी खुद को रोक न पाया और अपने स्वर उसी में मिला दिए। चाचाजी ने बताया कि यह भजन प्रसिद्ध भक्त नरसी मेहता का है। देर रात तक इसी भजन को गुनगुनाते हुए मैं और चाचाजी घर लौट आए।

17 जून, 2015

आज सुबह से ही मैं बहुत खुश था। आज चाचा जी मुझे श्रीकृष्ण की नगरी द्वारिका घुमाने ले गए। द्वारिका के बारे में पिता जी से सुना था कि यह भारत के चार धामों में से एक है। कहते हैं श्रीकृष्ण मथुरा से यहाँ आए थे और इस नगरी को अपनी राजधानी बनाया था। चाचा जी ने बताया कि द्वारिका भारत के पश्चिमी किनारे पर स्थित है। इस सुंदर नगरी को देखकर मन रोमांचित हो उठा। यहीं सुदामा अपने मित्र श्रीकृष्ण से मिलने आए थे। देर रात तक मैं और चाचाजी 'गरबा' नृत्य देखते रहे। स्त्री–पुरुष सुंदर गुजराती पोशाक पहने बड़ा सा गोला बना कर नाच रहे थे। मैंने भी उस समूह में कदम ताल मिलाकर खूब नृत्य किया। गुजराती पकवान खाकर सारी थकान दूर हो गई।

द्वारिका धाम

19 जून, 2015

गुजरात से अब घर लौट रहा हूँ। मैंने साबरमती आश्रम, द्वारिका के अलावा सोमनाथ का मंदिर और पालिताणा की यात्रा भी की। पालिताणा जैनियों का प्रसिद्ध तीर्थ है। सोमनाथ शिवजी का बहुत बड़ा मंदिर है। यहाँ बिताए दिनों की याद अपने साथ लेकर जा रहा हूँ। गुजरात के लोगों की वेशभूषा मुझे बहुत अच्छी लगी। पुरुष धोती पहनते हैं और सिर पर साफा या पगड़ी बाँधते हैं। स्त्रियाँ अधिकतर कामदार लहँगे तथा ओढ़नी पहनती हैं। मैंने भी छोटी बहन के लिए पीले रंग का गुजराती लहँगा खरीदा है, उसे पीला रंग बहुत पसंद है। मुझे यहाँ के पकवान ढोकला, खांडवी, फाफड़ा, श्रीखंड, गुजराती कढ़ी आदि बहुत अच्छे लगे।

मुझे गुजरात में सबसे अच्छा यह लगा कि यहाँ सब लोग मिलजुल कर रहते हैं। ये सब देखकर मुझे गुजराती कवि की ये पंक्तियाँ याद आ गईं –

^^fgUn&e|lyeku&ikj lhvkuk] vgh;k rhjFk lkxj]

iHk| N ,d] Hkfe N ,d] firk N ,d] ekr N ,dA**

अभ्यास

8BH2T4

1- vkb,] 'kCnk d vFk tku&

- अभिमान — घमंड
- उपकार — भलाई
- कदमताल — कदम से कदम मिलाकर चलना
- जन — लोग
- नृत्य — नाच
- प्रभु — भगवान
- प्रसिद्ध — विख्यात/मशहूर
- भ्रमण — यात्रा
- वेशभूषा — पहनावा

2- ikB ls &

(क) चाचा जी ने अमित को अपने पास क्यों बुलाया था ?

____

(ख) अमित को यात्रा के दौरान थकान क्यों हो गई थी ?

____

(ग) गाँधी जी का प्रिय भजन कौन सा है ? इसे किसने लिखा था ?

____

(घ) कुछ गुजराती पोशाकों के नाम लिखें।

____

(ङ) गुजरात जाने से पहले ही अमित वहाँ के बारे में बहुत कुछ जानता था कैसे ?

____

3- vkidh ckr &

(क) गरमी की छुट्टियों में आप कहाँ–कहाँ जाना पसंद करेंगे और क्यों ?

(ख) गाँधी जी के बारे में आपने जो भी पढ़ा या सुना है उसे अपने शब्दों में बताएँ।

(ग) यदि अमित की जगह आप होते तो गुजरात से अपने साथ क्या–क्या लेकर आते ?

(घ) नीचे अमित के बारे में कुछ बातें लिखी हैं। कुछ बातें आप अपने बारे में लिखें–

vfer		vki
1.	अमित के चाचाजी गुजरात में रहते हैं।	आपके चाचाजी कहाँ रहते हैं ? _____ _____
2.	उसको घूमने–फिरने का शौक है।	आपका क्या शौक है ? _____ _____
3.	वह प्रतिदिन डायरी लिखता है।	क्या आप भी डायरी लिखते हैं ? _____ _____
4.	उसकी आयु 10 वर्ष है।	आपकी आयु कितनी है ? _____
5.	उसको मिठाई बहुत पसंद है।	आपको क्या पसंद है ? _____ _____

4- ikB ls vkxs&

(क) इस पाठ में आपने गुजरात राज्य के बारे में बहुत कुछ जाना। अब अपने राज्य से संबंधित निम्नलिखित जानकारी प्राप्त करके लिखें।

1.	राज्य का नाम	
2.	प्रसिद्ध स्थान	

3.	पारंपरिक पोशाक	
4.	पारंपरिक नृत्य	
5.	पारंपरिक भोजन	

(ख) 'गरबा' नृत्य गुजरात का प्रसिद्ध नृत्य है। नीचे कुछ नृत्य दिए गए हैं। पता करें और लिखें।

- भंगड़ा ______________
- घूमर ________________
- डाँडिया ______________
- कथकली ______________

(ग) • आप जब भी बाहर घूमने के लिए जाएँ अपनी यात्रा का वर्णन कॉपी में लिखें व साथियों को दिखाएँ।

(घ) वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीड़ पराई जाणे रे।
पर दुखे उपकार करे, तोये मन अभिमान न आणे रे।
यह गाँधी जी के प्रिय भजन का एक अंश है। इस पूरे भजन को खोजकर अपनी कॉपी में लिखें।

8BQXUR

5- Hkk"kk dh ckr &

अमित की आयु 10 वर्ष है । गोपाल उसका सहपाठी है। श्रीकृष्ण को भी गोपाल कहा जाता है। गोपाल के अतिरिक्त श्रीकृष्ण को कान्हा, माखनचोर, श्याम, वासुदेव, कन्हैया आदि भी कहा जाता है। इसी प्रकार दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले दो–दो शब्द लिखें–

सूरज – ____________________ ____________________

चाँद – ____________________ ____________________

बादल – ____________________ ____________________

आकाश – ____________________ ____________________

vkiu fdruk lh[kk

1- fuEufyf[kr 'kCnk d lgh vFk ckDl e fy[k&

- कतराना = काटना बचना _____
- उपकार = भलाई कार से यात्रा _____
- भ्रमण = भँवरा यात्रा _____

2- fuEufyf[kr uR; dku l jkT; d g\

- भंगड़ा _____
- घूमर _____
- कथकली _____

3- fuEufyf[kr i'uk d mÙkj fy[k&

- दिव्या ने किसको पत्र लिखा?

  _____

  _____

- मक्खी दिन भर क्या काम करती है?

  _____

  _____

- चींटी को आदर क्यों मिलता है?

  _____

____

- दो गुजराती पोशाकों के नाम लिखें–

  ____

  ____

4- fn, x, 'kCnksa ls okD; cukdj fy[ksa&

- बात ____
- भात ____
- बालू ____
- भालू ____

5- fuEufyf[kr 'kCnksa ds lekukFkZ okys 2&2 'kCn fy[ksa&

- सूरज ______________ ______________
- आकाश ______________ ______________

6- i<sa vkSj fy[ksa&

- विद्यालय ______________
- आज्ञाकारी ______________
- श्रीमती ______________
- प्रार्थना ______________

ikB 8

भाईचारा

8BZTWE

दो खरगोश थे। वे सगे भाई थे। उनमें बड़ा भाई सफेद और छोटा सुनहरा था। दोनों मिल–जुलकर एक मकान में रहते थे। मकान के आगे फूलों और सब्जियों की क्यारियाँ तथा फलों का बगीचा था। सफेद खरगोश खेत में गाजर, पालक, गोभी, पत्ता गोभी आदि की फसलें उगाता था। सुनहरा खरगोश बाजार जाकर सब्जियाँ और फल बेचता था तथा बाजार से खाद, दवाइयाँ और खाने–पीने का सामान लाता था।

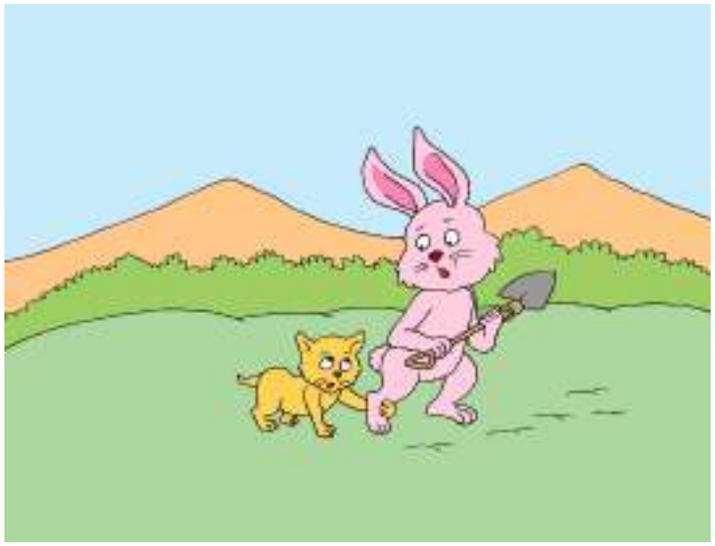

दोनों खरगोश भाइयों में बहुत प्यार था। एक दिन खेत में काम करते हुए सफेद खरगोश ने देखा कि बिल्ली का एक बच्चा उसका पिछला पैर पकड़ कर रो रहा है। सफेद खरगोश के पूछने पर उसने बताया कि उसके माता–पिता नहीं हैं और वह दो दिन से भूखा है। सफेद खरगोश को बिल्ली के बच्चे पर दया आई और वह उसको अपने घर ले आया। घर पहुँचकर उसने उसे पीने के लिए कटोरी में दूध दिया और कहा कि आज से तुम हमारे भाई हो, हम दोनों भाई तुम्हें प्यार करेंगे। यह सुनकर बिल्ली का बच्चा खुशी से उछलने लगा।

अगले दिन फिर सफेद खरगोश खेत में काम करने चला गया। थोड़ी देर में उसे लगा कि कोई पीछे खड़ा उसका पैर पकड़ कर रो रहा है। खरगोश ने देखा इस बार पैर पकड़ने वाला बिल्ली का बच्चा नहीं बल्कि एक छोटा सा पिल्ला था। वह पिल्ले को भी अपने साथ घर ले आया। उसे दूध, रोटी खिलाई और कहा–हम दोनों भाई तुम्हें भी प्यार करेंगे। पिल्ला कई दिनों से भूखा था, रोटी खा कर सो गया। हर रोज की तरह सफेद खरगोश खेत में काम करने चला गया। थोड़ी देर बाद उसने देखा नेवले का

बच्चा उसकी पूँछ पकड़ कर रो रहा है। वह भी बिल्ली के बच्चे और पिल्ले की तरह अनाथ और भूखा था। वह सफेद खरगोश से दया की भीख माँगने लगा। खरगोश को उस पर भी दया आ गई और वह नेवले के बच्चे को भी घर ले गया। घर पहुँचकर नेवले के बच्चे ने जब बिल्ली के बच्चे और कुत्ते के पिल्ले को देखा तो उसकी जान में जान आ गई। वह अपना दुख भूल गया और खरगोश के कहने पर उनके साथ मिलजुल कर रहने लगा।

छह महीने बाद फसल तैयार हो गई तो खेत में चूहे फसल बरबाद करने लगे। बिल्ली के बच्चे ने जब यह देखा, वह तुरंत खेत में पहुँचा। उसे देखकर धीरे–धीरे सभी चूहे खेत से बाहर चले गए। बिल्ली के बच्चे के ऐसा करने पर खरगोश बहुत खुश हुआ। खरगोश ने खेत में खरबूजे बोए थे। एक सियार रोज खरबूजे खाता और बच्चों के लिए भी ले जाता। कुत्ते के पिल्ले ने जब यह देखा तो उसे यह बर्दाश्त नहीं हुआ उसने अँधेरी रात में सियार को दौड़ा–दौड़ा कर खेत से बाहर कर दिया। अभी खरगोश को चूहों व सियार की परेशानी से छुटकारा मिला ही था कि खरगोश ने देखा एक काला साँप उसके पीछे पड़ गया। वह घर की तरफ भागा। तभी नेवले के बच्चे ने साँप को देखा और उसके टुकड़े–टुकड़े कर दिए। इस तरह रास्ते में मिलने वाले तीनों भाइयों ने खरगोश भाइयों की परेशानी दूर की। सफेद खरगोश बहुत खुश हुआ और बोला – आज से हम दो नहीं पाँच भाई हैं। उसके बाद पाँचों उस घर में चैन से रहने लगे।

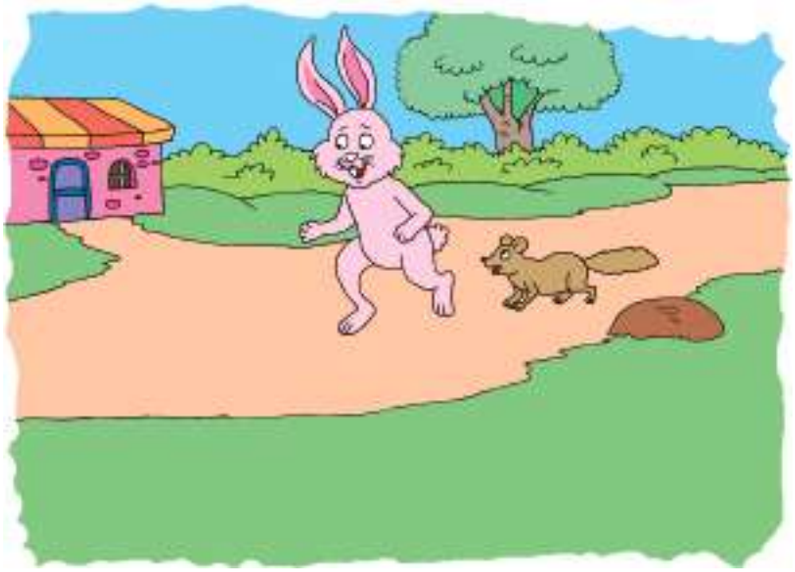

अभ्यास

8C9PY2

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- दया – रहम
- अनाथ – जिसका कोई रखवाला न हो
- बर्दाश्त – सहन करना
- चैन – आराम

2- ikB ls &

(क) सफेद खरगोश क्या करता था ?

____

(ख) सफेद खरगोश बिल्ली के बच्चे को घर क्यों ले आया ?

____

(ग) कुत्ते के पिल्ले ने खरगोश की सहायता कैसे की ?

____

(घ) खरगोश दो से पाँच भाई कैसे बनें ?

____

3- vkidh ckr &

(क) क्या होता यदि खरगोश बिल्ली के बच्चे, पिल्ले तथा नेवले को घर न लेकर आता ?

(ख) कल्पना करें कि यदि सफेद खरगोश की जगह आप होते तो दुखी जानवरों की मदद किस प्रकार करते ?

(ग) आप अपने भाई–बहन के साथ मिलकर कौन–कौन से काम करते हैं ?

(घ) इस कहानी का कोई और शीर्षक बताएँ ?

4- lgh fodYi ij xkyk yxk,¡ &

(क) बाजार जाकर सब्जियाँ और फल बेचता था –

(अ) सुनहरा खरगोश (ब) सफेद खरगोश (स) दोनों खरगोश

(ख) खरगोश को काले साँप से बचाया –

(अ) बिल्ली के बच्चे ने (ब) पिल्ले ने (स) नेवले के बच्चे ने

(ग) खरगोश ने खेत में बोया –

(अ) ककड़ी (ब) खरबूजा (स) टमाटर

5- Hkk"kk dh ckr &

(क) नीचे लिखे वाक्य उलट–पुलट हो गए हैं। इन्हें पढ़कर सही क्रम से लिखें –

बहुत प्यार खरगोश भाइयों में था।

खरगोश भाइयों में बहुत प्यार था।

- उछलने लगा बिल्ली का बच्चा यह सुनकर।

  _____

- अपने साथ घर ले आया पिल्ले को भी वह।

  _____

- भाई रहने लगे चैन से पाँचों उस घर में।

  _____

(ख) खाद, दवाइयाँ और खाने–पीने का सामान लाता था। इस वाक्य में खाने–पीने शब्दों के बीच (–) चिह्न का प्रयोग हुआ है। ऐसे ही और शब्द जो जोड़े में आते हैं, लिखें –

उठना – बैठना _____

_____ _____

_____ _____

;s ckr le> esa vkbZ ugha ¼dN vkj i<sa½

ये बात समझ में आई नहीं,
और अम्मी ने समझाई नहीं।
मैं कैसे मीठी बात करूँ?
जब मीठी चीज़ें खाई नहीं ।
आपा भी पकाती हैं हलवा,
वो आखिर क्यूँ हलवाई नहीं।
भैया की मँगनी हो गई कल,
क्यों कल ही दुलहन मँगवाई नहीं।
ये बात समझ में आई नहीं....,

नानी के मियाँ जब नाना हैं,
दादी के मियाँ जब दादा हैं।
आपा से मैंने पूछा ये,
बाजी के मियाँ क्या बाजा हैं?
हँस–हँस कर वह यूँ कहने लगी,
ए भाई नहीं, ए भाई नहीं।
ये बात समझ में आई नहीं......,

जब नया महीना आता है,
बिजली का बिल आ जाता है।
हालाँकि बादल बेचारा,
ये बिजली मुफ्त लुटाता है।
फिर हमने अपने घर बिजली,
बादल से क्यूँ मँगवाई नहीं।
ये बात समझ में आई नहीं...... ।

गर बिल्ली शेर की खाला है,
फिर हमने उसे क्यूँ पाला है?
क्या शेर बहुत नालायक है,
खाला को मार निकाला है?
या जंगल के राजा के यहाँ,
क्या मिलती दूध–मलाई नहीं।
ये बात समझ में आई नहीं.....,

क्यों लंबे बाल हैं भालू के?
क्यूँ उसने कटिंग कराई नहीं।
क्या वह भी गंदा बच्चा है,
या उसके अब्बू–भाई नहीं।
ये उसका हेयर स्टाइल है,
या जंगल में कोई नाई नहीं।
ये बात समझ में आई नहीं.....।

जो तारे जगमग करते हैं,
क्या उनकी चाची–ताई नहीं।
होगा कोई रिश्ता सूरज से,
ये बात हमें बतलाई नहीं।
पर चंदा किसका मामू है,
जब अम्मी का वो भाई नहीं।
ये बात समझ में आई नहीं,
और अम्मी ने समझाई नहीं .....।

ikB 9

चाँद का कुरता

8NMYEL

हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से यह बोला,
सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का मोटा एक झिंगोला।

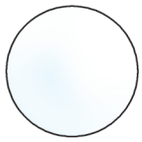

सन–सन चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर–ठिठुर कर किसी तरह यात्रा पूरी करता हूँ।
आसमान का सफर और यह मौसम है जाड़े का,

न हो अगर तो ला दो कुरता ही कोई भाड़े का।

बच्चे की सुन बात कहा माता ने, अरे सलोने!
कुशल करें भगवान, लगे न तुझको जादू–टोने।
जाड़े की तो बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ,

एक नाप में कभी नहीं, तुझको देखा करती हूँ।

कभी एक अंगुल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है और किसी दिन छोटा।
घटता–बढ़ता रोज़ किसी दिन ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की भी आँखों को दिखलाई पड़ता है।

अब तू ही तो बता, नाप तेरा किस रोज लिवाएँ,
सी दें एक झिंगोला जो हर रोज बदन में आए?

–रामधारी सिंह 'दिनकर'

अभ्यास

1- vkb,] 'kCnk d vFk tku&

- झिंगोला – झबला
- सलोने – सुंदर
- रोज – प्रतिदिन

2- dfork l &

(क) कविता में ढीले–ढाले कुरते को क्या कहा गया है ?

_____

(ख) चाँद को यात्रा में क्या तकलीफ होती थी ?

_____

(ग) चाँद की इच्छा पूरी करने में माँ को कठिनाई क्यों आ रही थी ?

_____

3- vkidh ckr&

(क) आप सरदी में ठिठुरने से बचने के लिए क्या–क्या पहनते हैं ?

(ख) आप अपने माता–पिता से किस बात के लिए जिद करते हैं ?

4- dfork l vkx&

(क) चाँद कब पूरा गोल हो जाता है ?

(ख) चाँद किस दिन दिखाई नहीं देता ?

(ग) अगर गरमी होती तो चाँद अपनी माँ से क्या–क्या माँगता ?

5- Hkk"kk dh ckr&

(क) *सन–सन चलती हवा रात भर*
ठिठुर–ठिठुर कर किसी तरह

bu ifDr;k e ^lu* vkj ^fBBj* 'kCn ,d lkFk nk&nk ckj vk, gA blh rjg d dN vkj 'kCnk dk i;kx viu okD;k e dj A

1. ———————————— 2. ————————————

3. ———————————— 4. ————————————

(ख) *घटता–बढ़ता रोज किसी दिन ऐसा भी करता है*

ble ^?kVrk* dk myV vFk okyk 'kCn ^c<rk* gA blh rjg uhp fy[k 'kCnk d myV vFk oky 'kCn fy[k &

ऊपर ———————————— मोटा ————————————

आगे ———————————— ठंडा ————————————

(ग) *चंद्रबिंदु (ँ) का कमाल*

uhp dN 'kCn vkj mud vFk fn, x, gA bu 'kCnk ij ¼ & ½ pnfcn yxku l budk vFk cny tk,xk rk fn[kkb, deky &

सास – पति/पत्नी की माँ	साँस	————————
आधी – आधा हिस्सा	————————	
पूछ – पूछताछ करना	————————	
बास – महक, गंध	————————	
पाव – एक किलोग्राम का चौथा भाग	————————	

6- vc vkb dju dh ckjh&

अपनी माँ या दादी से पूछकर 'चाँद' पर कोई कविता या पहेली लिखें –

————————————————————————————————

————————————————————————————————

————————————————————————————————

7- vkvk dN u;k dj&

fdlh pedhy dkxt l pkn dh vyx&vyx vk—fr;k dkVdj viuh vH;kl ifLrdk e fpidk,&

ikB

10 कर्म की जीत

8PFLJJ

एक बार वर्षा के देवता इंद्र को घमंड ने घेर लिया। वे सोचने लगे कि मेरे कारण ही धरती की खुशहाली है। मैं मेघों को आदेश देता हूँ तभी वे जल बरसाते हैं। इससे धरती पर खेती फलती–फूलती है। पशु–पक्षी आनंदित होते हैं और सभी जीवों की प्यास बुझती है।

इसके बदले में मुझे क्या मिलता है? सम्मान करना तो दूर कोई याद तक भी नहीं करता। ठीक है! मैं अगले कई वर्षों तक वर्षा नहीं करूँगा, धरती के प्राणियों की अक्ल अपने आप ठिकाने आ जाएगी।

यह सोचकर इंद्र देवता ने मेघों को अपने महल में बंद कर दिया। आषाढ़ मास आ गया पर पानी न बरसा। आषाढ़ के आधे दिन भी निकल गए, बादल दूर–दूर तक कहीं दिखाई न दिए।

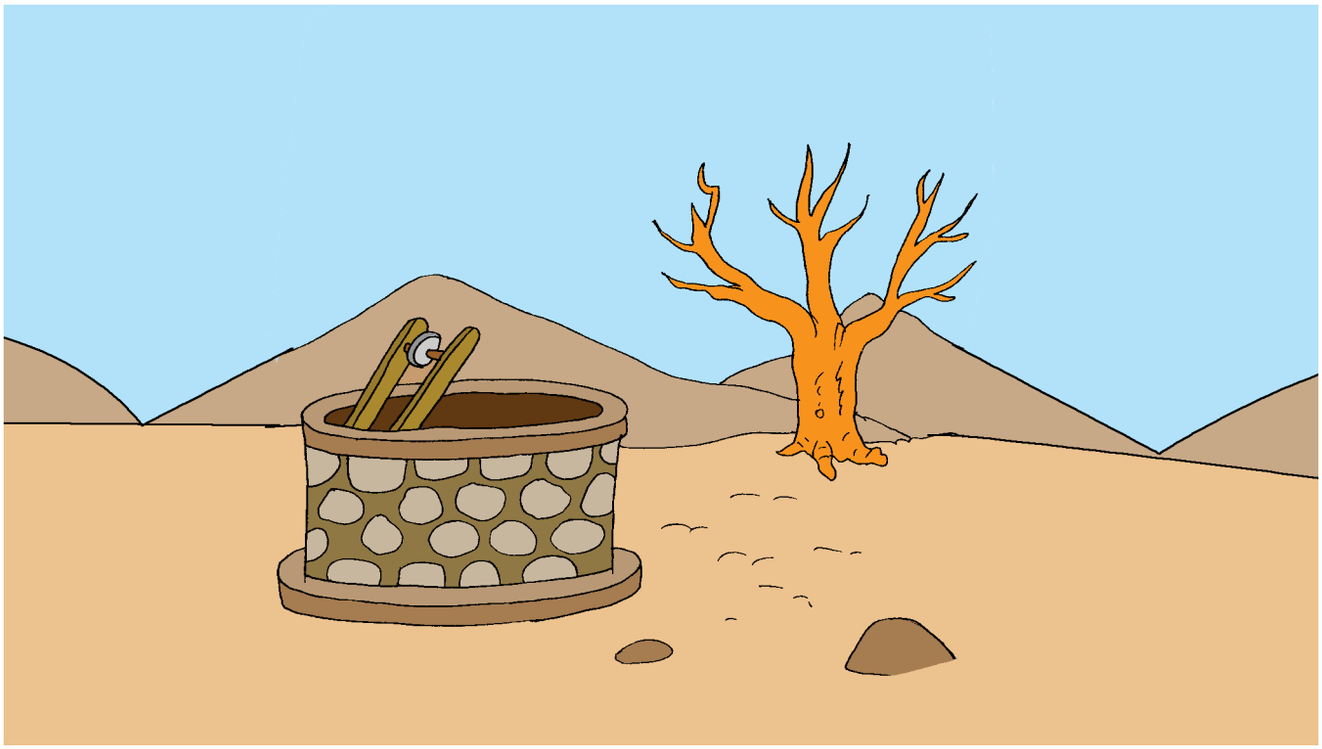

सावन बीता, भादों आया, पर पानी की एक बूँद न बरसी। वर्षा के कोई आसार दिखाई न पड़ते थे।

किसान बादलों की बाट देखते–देखते थक चुका था।

एक दिन उसने अपने बेटों से कहा– चलो, खेत में हल चलाएँ। यदि इंद्र देवता अपना काम करना भूल गए तो हम अपना काम क्यों छोड़ें? किसान और उसके बेटों ने अपने खेत में हल चलाया। किसान कुछ दिन बाद अपने बेटों से बोला–चलो खेत में बिजाई करें। वे बीज लेकर खेत में पहुँचे और बुवाई का काम शुरू कर दिया। पेड़ की छाया में दुबका एक मेंढक यह सब देखकर बोला–खेत में बुवाई करने से क्या फायदा होगा जब इतने दिनों से पानी ही नहीं बरसा। किसान ने उत्तर दिया– पानी भले ही न बरसे, अनाज भले ही न हो पर हम अपना काम कैसे छोड़ दें? अगर पानी बारह बरस तक न बरसा तो मेरे पुत्र तो खेत में काम करना ही भूल जाएँगे।

मेंढकी ने यह सुना तो वह भी बोल पड़ी, ''हाँ भाई! तुम्हारी बात ठीक है। चलो, हम भी अपना काम करें।'' इतना कहकर लगे दोनों करने टर्र.....टर्र.... ...टर्र.....टर्र।

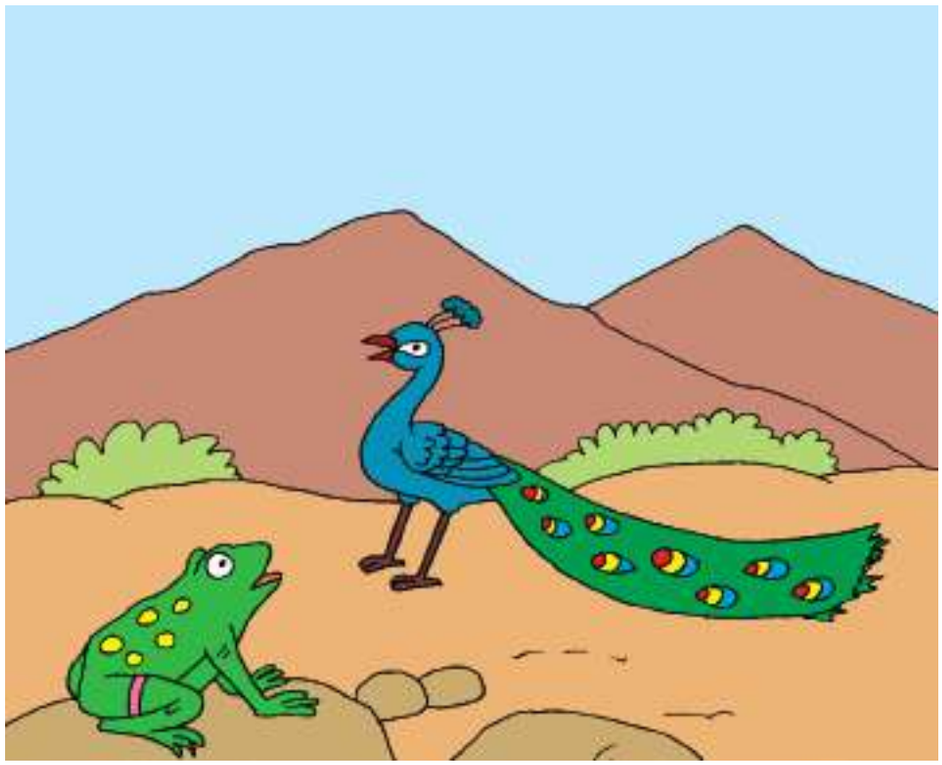

उनकी टर्र.... .टर्र सुनकर मोर वहाँ आ गया और कहने लगा–क्यों री मेंढकी! पानी बरसने के तो आसार हैं नहीं। तुम्हारे टर्राने से क्या फायदा?

मेंढकी बोली– अगर पानी बारह वर्ष तक न बरसे तो मैं क्या टर्राना छोड़ दूँ? मैं तो टर्राना भूल ही जाऊँगी। भला मैं अपना कर्म क्यों छोड़ूँ? मोर को मेंढकी की बात जँच गई और पिहू–पिहू की आवाज गूँज उठी।

इंद्र ने यह सब देखा और सोचने लगे–मैंने तो अपना काम बंद कर दिया लेकिन ये सब तो अपने काम में जुटे हुए हैं। इस रहस्य का पता लगाना होगा। इंद्र भेष बदलकर किसान के पास आए और पूछा– भैया! जब मेघ बरसने के आसार ही नहीं हैं तो तुम खेती क्यों किए जा रहे हो? किसान बोला– वर्षा करने वाला अपना काम करे या न करे, वह ठहरा देवता, हमारे लिए तो काम ही सर्वोपरि है।

मेंढक भी बोल पड़े– टर्र.....टर्र कर बादलों को बुलाना हमारा काम है, वे

आएँ या न आएँ। यदि हम टर्राना छोड़ दें तो हमारी संतानें तो टर्राना भूल ही जाएँगी।

अब मोर भी बोल उठे– पिहू–पिहू करना हमारा कर्म है शेष सब बातें छोटी हैं। इसलिए हम तो अपना कर्म नहीं छोड़ेंगे, वर्षा के बिना पेड़, पौधे, जानवर, पक्षी सभी परेशान हो उठे। लोग हर समय आसमान की ओर टकटकी लगाए देखते रहते। किसान, मेंढक और मोर की बातें सुनकर इंद्र की आँखें खुल गईं। उन्हें अपनी भूल समझ में आ गई। उन्होंने तुरंत अपने महल का फाटक खोलकर बादलों को आजाद कर दिया। आजादी की खुशी में बादल दौड़ते–भागते आसमान में चारों ओर छा गए। उनकी खुशी की गड़गड़ाहट से पूरा आसमान गूँज उठा और कुछ ही समय में वर्षा होने लगी।

किसान, मेंढक और मोर के कर्म की जीत हुई। गीता में भी कहा गया है –

^del.;sokfèkdkjLrs ek Qys"kq dnkpuA*

अभ्यास

8PPHL7

1- vkb,] 'kCnk dk vFk tkus&

- आनंदित – प्रसन्न
- आदेश – आज्ञा
- मेघ – बादल
- रहस्य – भेद
- सम्मान – आदर
- सर्वोपरि – सबसे ऊँचा

2- dgkuh ls &

(क) इंद्र ने मेघों को अपने महल में बंद क्यों किया?

____

(ख) किसान से इंद्र ने क्या पूछा ?

____

(ग) इंद्र की आँखें कैसे खुल गईं ?

____

(घ) वर्षा न होने पर भी किसान, मेंढक और मोर ने अपना–अपना काम क्यों नहीं छोड़ा?

____

3- vkidh ckr &

(क) अगर इंद्र बादलों को आजाद नहीं करते तो क्या होता?

(ख) इंद्र किसान के पास भेष बदलकर क्यों गया होगा ?

(ग) ये अपना काम बंद कर दें तो क्या होगा?

- सूरज
- पेड़
- हवा
- माँ

(घ) ''आजादी की खुशी में बादल दौड़ते–भागते आसमान में चारों ओर छा गए।''
बताएँ, आप कब–कब खुशी से दौड़ पड़ते हैं ?

4- ;g Hkh djsa&

दिए गए पशु–पक्षियों की आवाज़ों को शब्दों में लिखें –

- कोयल ––––––––––––––
- मुर्गा ––––––––––––––
- कबूतर ––––––––––––––
- कुत्ता ––––––––––––––
- कौवा ––––––––––––––
- बिल्ली ––––––––––––––
- चिड़िया ––––––––––––––
- तोता ––––––––––––––

5- इस कहानी में बताया है कि हमें अपने कर्म को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। इस बात को गीता में इस प्रकार लिखा गया है।

deZ.;sokf/kdkjLrs ek Qys"kq dnkpuA

अध्यापक की सहायता से इस पंक्ति का अर्थ पता करें।

8PYDHU

6- Hkk"kk dh ckr &

(क) कहानी में इंद्र, मोर और मेंढक जैसे कुछ शब्द आए हैं। जो संज्ञा शब्द हैं। पाठ से ऐसे ही संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखें।

––

––

(ख) 1. इसके बदले में मुझे क्या मिलता है?
2. तुम्हारे टर्राने से क्या फायदा ?

इन वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न (?) लगा है। वाक्यों को पढ़ने पर पता चलता है कि इनमें प्रश्न पूछा गया है। आप भी इस चिह्न का प्रयोग करते हुए कुछ वाक्य लिखें –

- _____
- _____
- _____

(ग) 1. इंद्र को घमंड ने घेर लिया।

2. उन्हें अपनी भूल समझ में आ गई ।

इन वाक्यों के अंत में पूर्णविराम (.।) लगा है। इस चिह्न का प्रयोग बात पूरी होने के बाद वाक्य के अंत में किया जाता है। आप भी पूर्णविराम का प्रयोग करते हुए ऐसे ही कुछ वाक्य बनाएँ।

- _____
- _____
- _____

(घ) नीचे दी गई वर्ग पहेली में कुछ शब्द छिपे हैं वे सभी शब्द इसी कहानी में आपने पढ़े हैं। उन्हें ढूँढ़कर लिखें –

आ	षा	ढ़	बा	बा
स	ः	य	र	द
मा	स	म	ह	ल
न	ध	न्य	वा	द
कि	सा	न	क	र्म

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

'kj vkj ePNj dh eBHkM+ ¼dN vkj i<+½

किसी घने जंगल में एक मच्छर रहता था। उसे गाने का बड़ा शौक था। गाने से भी अधिक अपना गाना सुनाने का शौक था। उसे अपनी आवाज बड़ी मीठी और सुरीली लगती थी।

एक दिन मच्छर साहब घास के तिनके पर बैठे भिन–भिन, भिन–भिन कर अपने गाने का मजा लूट रहे थे। अचानक बड़ी जोरदार आवाज सुनाई दी। जंगल का पत्ता–पत्ता थर्रा गया। घास का तिनका तो बुरी तरह हिल गया। मच्छर के कान एकदम बंद हो गए। वह आवाज इतनी ऊँची थी कि गाने की आवाज बिलकुल डूब गई।

मच्छर को बड़ा गुस्सा आया, बोला 'न जाने कौन इस तरह शोर मचा रहा है ? इतनी बढ़िया धुन छेड़ी थी मैंने, अब इस शोरगुल में तो गाना और सुनाना दोनों ही मुश्किल हो गए हैं। देखूँ तो, कौन, यह सब कर रहा है ?'

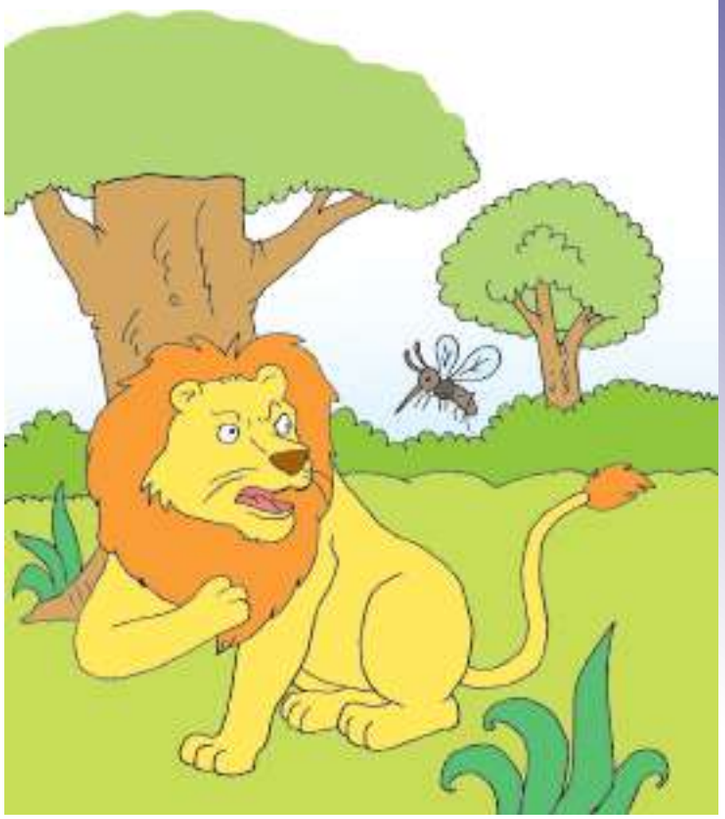

उड़कर गया तो देखा कि शेर राजा दहाड़ रहे हैं, 'बड़ी ज्यादती है', मच्छर भिनभिनाया, 'इस जंगल में बड़ा अत्याचार है। शेर राजा इतना हल्ला मचाते हैं कि किसी को अपनी आवाज तक नहीं सुनाई पड़ती। लगता है, कुछ न कुछ करना पड़ेगा। नहीं तो मेरे गाने की छुट्टी हो जाएगी।

मच्छर सीधा शेर के पास पहुँचा और बड़े आदर से बोला, 'मेहरबानी करके अपना दहाड़ना बंद कीजिए। देख नहीं रहे कि मैं गाना गा रहा हूँ। आप दहाड़ते हैं, तो मुझे अपनी आवाज सुनाई नहीं देती।'

मच्छर की भिनभिनाहट सुनते ही शेर ने उसे पंजा मारकर हटाने की कोशिश की, लेकिन मच्छर तब तक जमा रहा, जब तक शेर ने उसकी पूरी बात न सुनी। पहले तो शेर को बड़ी हैरानी हुई, पर थोड़ी देर बाद उसे गुस्सा आने लगा कि एक छोटा–सा मच्छर उसे चुप होने को कह रहा है। वह गुर्राकर बोला, 'जानते नहीं, मैं कौन हूँ?'

मच्छर ने जवाब दिया, जानता हूँ, लेकिन जंगल का राजा होने का यह मतलब नहीं कि आप जो मरजी करें। मैं अपना गाना सुनना चाहता हूँ। जरा, मेरा भी ख्याल कीजिए और दहाड़ना बंद कीजिए।

शेर आग बबूला हो गया। दहाड़कर बोला, तुम्हारी यह हिम्मत! ''यह मेरा जंगल है। यहाँ मेरा ही हुक्म चलेगा।''

और वह फिर से पूरा दम लगाकर दहाड़ने लगा। सारा जंगल हिल गया। चिड़िया फड़फड़ाकर दूर उड़ गईं। सब जानवर दुबककर अपनी–अपनी जगह बैठ गए।

लेकिन मच्छर टस से मस न हुआ। वह फिर से शेर के कान के पास भिनभिनाकर बोला, 'यह सिर्फ आपका जंगल नहीं है। यह हम सबका है। दहाड़ना बंद करें। मुझे अपना गाना सुनना है।'

शेर ने पैर पटककर कहा, ''मैं जंगल का राजा हूँ। जो मैं चाहूँगा, वही होगा। जानते हो, मेरी एक आवाज सुनकर सब थर–थर काँपने लगते हैं। कोई भी मेरे सामने मुँह नहीं खोलता।''

काँपने वाले काँपते रहें, मच्छर ने जवाब दिया, ''जंगल के राजा हैं तो रहें मैं नहीं डरता। मेरा क्या बिगाड़ लेंगे आप? बल्कि मैं आपका दहाड़ना बंद कर दूँगा।''

तुम! तुम मेरा दहाड़ना बंद करोगे? शेर बिलकुल आपे से बाहर हो गया। आज तक किसी ने उसका सामना करने की हिम्मत नहीं की थी। वह गुस्से में

ही बोला, अच्छा! जरा करके तो दिखाओ।

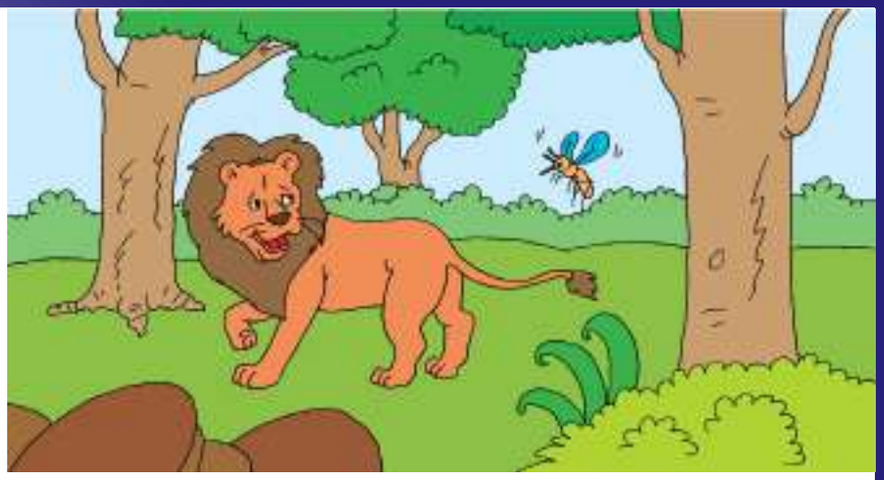

ठीक है। मच्छर बोला, अभी चुप कराता हूँ।

इससे पहले कि शेर कुछ बोल पाता वह सीधे उसकी नाक के अंदर घुस गया। अब क्या था, शेर की नाक में बड़ी तेज गुदगुदी होने लगी। उसने अपना सिर हिलाया। जोर–जोर से साँसें भीतर–बाहर करने लगा। कसकर इधर–उधर सिर झटका, लेकिन मच्छर वहीं का वहीं टिका रहा।

आ–आ–आ–च्छू! आ–च्छू! आ–च्छू! शेर को छींक पर छींक आने लगी। छींकते–छींकते उसका बुरा हाल हो गया, लेकिन मच्छर को नहीं निकाल पाया।

शेर ने अपनी नाक पर घूँसा मारा। हवा में छलाँग लगाई। जमीन पर लोटपोट हुआ, लेकिन मच्छर अपनी जगह पर जमा रहा।

अब शेर की साँस बुरी तरह फूल गई। नाक सूज गई। आँखों से पानी बहने लगा। आखिर में हाँफते हुए बोला, ''अच्छा भाई, माफ करो। तुम्हें जितना गाना है, गाओ। जी भरकर गाओ।'' मैं नहीं दहाड़ूँगा, और जब भी दहाड़ूँगा, तुम से पूछकर ही दहाड़ूँगा।

मच्छर बोला, पहले यह बताओ, किसका जंगल है?

तुम्हारा जंगल है। सिर्फ तुम्हारा। शेर हारकर बोला।

मच्छर फुर्र से उड़कर उसकी नाक से बाहर निकल आया और बोला, ''यह हम सबका जंगल है, याद रखना।''

दुम दबाकर शेर वहाँ से चला गया। मच्छर फिर खुशी से 'भिन–भिन' करने लगा।

ikB 11

पहेलियाँ

8Q89PH

1. उत्तर जाऊँ दक्षिण जाऊँ,
पूरब–पश्चिम कभी न जाऊँ।
सोना–चाँदी नहीं काम का,
लोहे को मैं पास बुलाऊँ।

2. बूझो भइया एक पहेली,
जब–जब काटो नई नवेली।

3. अगर नाक पर मैं चढ़ जाऊँ,
कान पकड़कर तुम्हें पढ़ाऊँ।
दूर की वस्तु पास दिखाऊँ,
बतलाओ, मैं क्या कहलाऊँ।

4. दुनिया भर की करता सैर,
धरती पर ना रखता पैर।
दिन में सोऊँ रात को जागूँ,
सूरज आते ही मैं भागूँ।

5. एक लाठी की सुनो कहानी,
छिपा है इसमें मीठा पानी।

6. एक बंगले में चालीस चोर,
सबका मुँह है काला।
पूँछ पकड़कर इनको रगड़ो,
जगमग करे उजाला।

7. एक पैर पर तनी खड़ी,
बारिश हो या धूप कड़ी।
जाड़े में सोती रहती हूँ,
सावन में रोती रहती हूँ।

8. एक फूल, इक फल है भाई,
दोनों मिल कर बने मिठाई।

9. सिर की उलझन को सुलझाकर,
अलग–अलग है बाँटता।
दाँत बहुत होते हैं लेकिन,
कभी नहीं वह काटता।

10. तीतर के दो आगे तीतर,
तीतर के दो पीछे तीतर।
आगे तीतर पीछे तीतर,
ज़रा बताओ कितने तीतर।

11. उलट–पुलट बगुला बन जाऊँ,
काँटों बीच खड़ा मुस्काऊँ।
चारों ओर खुशबू बिखराऊँ,
बतलाओ, मैं क्या कहलाऊँ।

12. दो अक्षर का मेरा नाम,
आता हूँ खाने के काम।
उलट जाऊँ तो नाच दिखाऊँ,
कढ़ी पकौड़े खूब खिलाऊँ।

अभ्यास

8QH5R5

1- vkb,] 'kCnk dk vFk tku&

- उजाला – रोशनी
- तनी – अकड़ी
- नवेली – नई
- रौब – दबदबा
- सहलाना – धीरे–धीरे हाथ फेरना

2- ikB l&

नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। बताएँ कि ये किस पहेली से हैं –

(क) वह कौन–सी वस्तु है जो लोहे को अपनी ओर खींचती है ?

____

(ख) 'बगुला' को उलट–पुलट करने से कौन सा फूल बनता है ?

____

(ग) पहेली में गन्ने की क्या विशेषता बताई गई है ?

____

(घ) छतरी के जाड़े में सोने व सावन में रोने से क्या अभिप्राय है ?

____

3- ikB l vkx&

(क) 'जगमग करे उजाला'

उजाला के साथ जगमग शब्द जुड़ा है। इनके साथ क्या जुड़ सकता है?

आँसू	पैर	दरवाजा	बरतन	तारे	पंखा

डगमग ____________ डबडब ____________

भड़भड ———————— टिमटिम ————————

चमचम ———————— फड़फड़ ————————

(ख) जब–जब काटो नई नवेली।

कौन–कौन सी चीजें काटने के बाद फिर आ आती है ?

(ग) कुछ ऐसी पहेलियाँ अपने दोस्तों के साथ मिलकर बनाइए जिनका उत्तर ये हो –

(क) सूरज ————————————————————

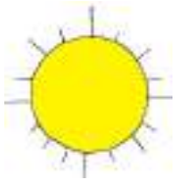

————————————————————

————————————————————

————————————————————

(ख) पतंग ————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

(ग) रोटी ————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

4- Hkk"kk dh ckr&

(क) पूरब–पश्चिम कभी न जाऊँ

सोना–चाँदी नहीं काम का, यहाँ पूरब के साथ पश्चिम तथा सोना के साथ चाँदी शब्द आया है। इसी प्रकार दिए गए शब्दों के साथ जोड़ों में कौन से शब्द आएँगे।

8QR1SS

ऊपर ———————— इधर ————————

दाएँ ———————— ऐसे ————————

यहाँ ———————— आगे ————————

(ख) नीचे दिए गए शब्दों के लिए पहेलियों में किन शब्दों का प्रयोग हुआ है?

सूर्य	सूरज	संसार	____________
भूमि	____________	सरदी	____________
रात्रि	____________	स्वर्ण	____________
वर्षा	____________	घाम	____________
पाँव	____________	नज़दीक	____________

(ग) दुनिया भर की करता सैर

धरती पर न रखता पैर

इन वाक्यों में 'करता' और 'रखता' शब्दों से काम के करने का पता चल रहा है। पाठ में ऐसे ही अनेक शब्द आए हैं, उन्हें छाँटकर लिखें –

- ______________ • ______________
- ______________ • ______________
- ______________ • ______________
- ______________ • ______________
- ______________ • ______________

(घ) जरा बताओ कितने तीतर–

किसी से विनम्रता से कुछ कहने के लिए हम 'जरा' का प्रयोग करते हैं। 'जरा' का प्रयोग करते हुए दो वाक्य बनाएँ।

(क) ____

(ख) ____

(ङ) कुछ ऐसे शब्दों को लिखें जिनकी तुक इन शब्दों से मिलती हो –

- बुलाऊँ ________ ________ ________ ________
- नवेली ________ ________ ________ ________
- उजाला ________ ________ ________ ________
- मिठाई ________ ________ ________ ________
- सवारी ________ ________ ________ ________

(च) पहेलियों में घुमा–फिराकर बात कही जाती है। आप भी ऐसे घुमा–फिराकर कोई बात कहें तथा अपने सहपाठियों से उसका अंतर पूछें, जैसे –

पीला मेरा रंग है। दर्जन में मैं बिकता हूँ छीलकर मुझको खाते हैं –
पाठ में आई पहेलियों के उत्तर इस वर्ग पहेली में दिए गए हैं। उत्तर ढूँढ़कर नीचे लिखें –

मा	य	त	गु	च	ना
चि	चाँ	ह	ला	श्मा	खू
स	द	चुं	ब	क	न
ल	कं	घा	जा	पें	छ
छ	त	री	मु	सि	ग
व	र	ती	न	ल	न्ना

उत्तर

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____
6. _____
7. _____
8. _____
9. _____
10. _____
11. _____
12. _____

(छ) नीचे कुछ शब्द उलट–पलट गए हैं। इन्हें ठीक करके लिखें –

- ड़काल _____
- ड़पे _____
- थहा _____
- माश्च _____
- तबशर _____
- लपेंसि _____
- कशिक्ष _____
- चाबगी _____
- लिहेपयाँ _____
- धनिबं _____

vkiu fdruk lh[kk

1- lgh vFk pudj fn, x, ckDl e fy[k&

- दया – दिया/रहम _____
- सलोने – सुंदर/सिले हुए _____
- मेघ – आकाश/बादल _____
- नवेली – रस्सी/नई _____

2- fuEufyf[kr 'kCnk ij pn fcn yxkdj okD; e i;kx djA

- आधी – _____

_____

- पाव – _____

_____

3- mfpr LFkku ij fojke fpgu yxk,&

- तुम्हारे दर्शन से क्या फायदा
- इंद्र को घमंड ने घेर लिया

4- xk; d cPp dk cNMk dgr gA bud cPpk dk D;k dgr g\

- मुर्गी – _____
- बिल्ली – _____

5- i<] le> vkj fy[k&

- सूर्य पूरब से निकलकर ______________ में छिप जाता है।
- पंक्ति में आगे सविता थी तथा ______________ गीता।
- रात को चंद्रमा चमकता है तथा ______________ में सूरज।

6- 'kCnk d o.k myV&iyV gk x, g] mUg Bhd djd fy[k&

- त ब श र ________________
- लि हे प याँ ________________
- क शि क्ष ________________
- चा ब गी ________________

7- 'kCnk dk lgh Øe e yxkdj okD; fy[k&

- अपने साथ घर ले आया पिल्ले को भी वह

____

- उछलने लगा बिल्ली का बच्चा यह सुनकर

____

8- fuEufyf[kr i'uk d mÙkj fy[k&

- कुत्ते के पिल्ले ने खरगोश की सहायता कैसे की?

____

- किसान से इंद्र ने क्या पूछा?

____

ikB

12 हरियाली तीज

8QZHUF

सावन का महीना मेघा रिमझिम–रिमझिम बरसैं।

जब यह गीत सुनाई देने लगे तो समझो सावन का महीना आ गया है और तीज का त्योहार आने वाला है। यह एक ऐसा त्योहार है, जो पूरे हरियाणा में बड़े उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसे 'हरियाली तीज' भी कहते हैं। सावन मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया के दिन इसे मनाया जाता है। इसीलिए इसका नाम हरियाली तीज पड़ा है।

तपती गरमी के बाद वर्षा की फुहार, खेतों की हरियाली, पेड़ों पर पड़े झूले, झूला झूलती महिलाएँ और सावन के गीतों से मन में एक हिलोर सी उठने लगती है। बालिकाएँ अपनी माँ से कहने लगती हैं –

'झूलण जांगी ए माँ मेरी, बाग मैं री,

ऐ री कोए, संग सहेली चार। झूलण जांगी बाग मैं।

झूलण जांगी, ए माँ मेरी, बाग मैं री।'

तीज से कई दिन पहले लंबे और मजबूत टहनों की पहचान करके अपना निशान लगा दिया जाता है ताकि कोई दूसरा उस पर झूला न डाले।

इस प्रथा को 'डाला रोकना' कहते हैं। तीज से पहली रात को महिलाएँ तथा बच्चे मेहंदी रचाते हुए गीत गाते हैं। सुबह उठने पर मेहंदी को एक दूसरे को दिखा कर खुश होते हैं।

धोलो री ननद मेहंदी के पात

रगड़ रचाओ मेहंदी जी आज।

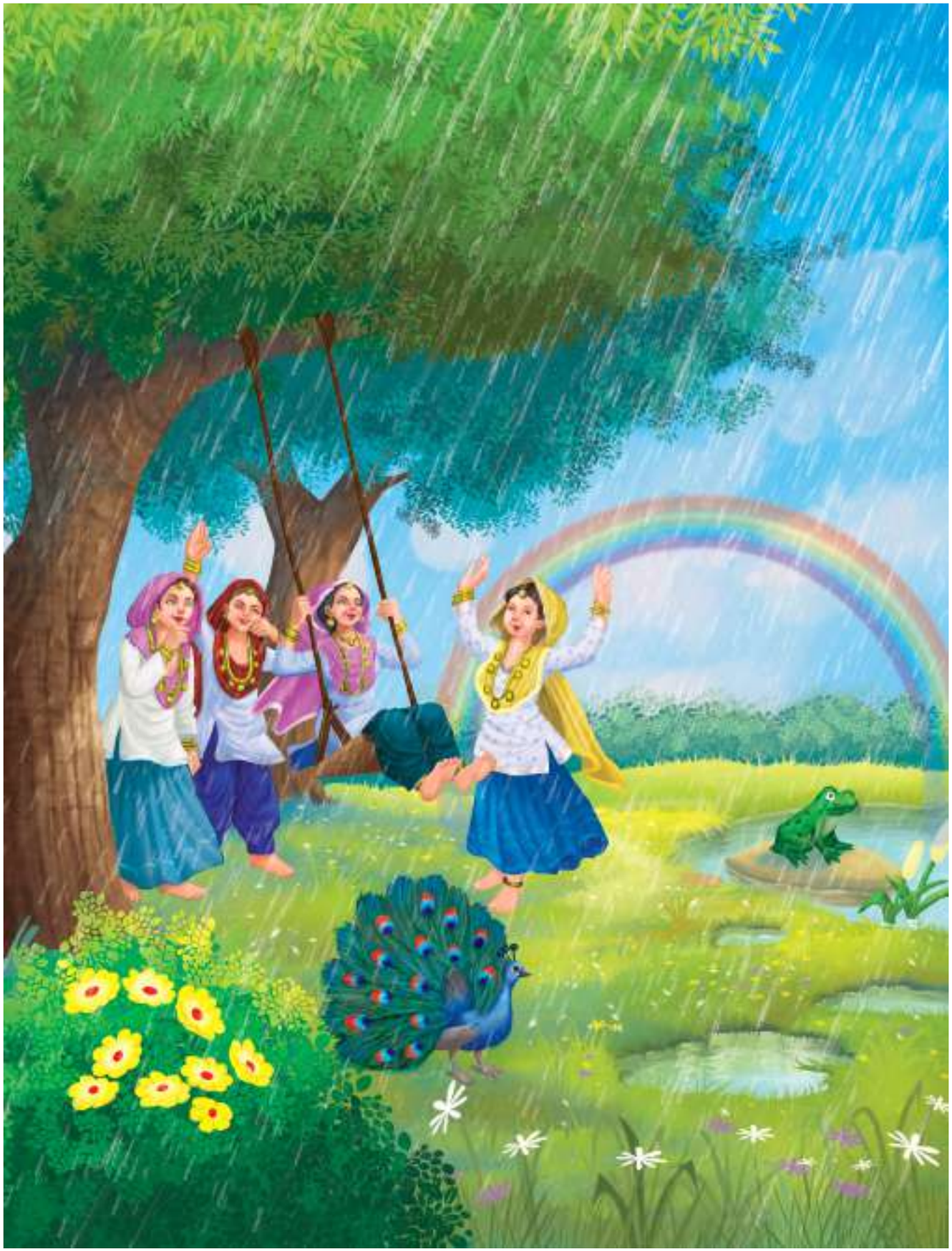

दोपहर बाद बाग, तालाब,जोहड़ या अन्य स्थानों पर भारी–भरकम पेड़ों पर डाले गए 'झूलों' पर महिलाएँ झूलती हुई नजर आती हैं। देर रात तक भी महिलाएँ गीत गाती हुई झूलती रहती हैं।

संग की सहेली माँ मेरी झूलती जी,

हमने झूलण का ए माँ मेरी चाव जी।

हे री आई सै रंगीली तीज,

झूलण जांगी ए माँ मेरी बाग मैं जी।

लड़कियाँ विवाह के बाद अपनी पहली तीज पिता के घर में सहेलियों के साथ मनाती हैं।

इस समय ससुराल से उनका 'सिंधारा' आता है, जिसमें रेशमी झूल के अतिरिक्त वस्त्र तथा सुहाग की वस्तुएँ, चूड़ी का जोड़ा आदि होता है।

भाई अपनी बहन के घर 'कोथली' लेकर जाने के लिए माँ से कहते हैं –

मिट्ठी तो कर दे माँ ए कोथली,

सावन री आया गूँजता।

जाऊँगा री मेरी बेबै के देस,

सावण री आया गूँजता।

भाई के कोथली लेकर आने की खबर सुनकर बहनें गा उठती हैं–

आया तीजां का त्योहार,

आज मेरा वीरा आवेगा।

सावण में बादल छाए,

सखियाँ ने झूले पाए।

मैं कर लूँ मौज बहार,

आज मेरा वीरा आवेगा.....

इस अवसर पर घरों में सेवइयाँ, खीर, गुलगुले, पूड़े, सुहाली आदि बनाई जाती है।

इस त्योहार पर घेवर, फेनी आदि मिठाइयाँ बाज़ार में विशेष रूप से दिखाई देती हैं। इस त्योहार की लोकप्रियता को देखते हुए राज्य में बहुत से स्थानों पर तीज के मेलों की व्यवस्था की जाती है।

मेले में पींग झूलने तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाता है। जिसमें सभी शामिल होते हैं।

इस दिन जहाँ झूलों पर रंग–बिरंगी ओढ़नियाँ लहराती हैं; वहीं आसमान भी पुरुषों द्वारा उड़ाई गई रंग–बिरंगी पतंगों से भर जाता है। बच्चे, बूढ़े और जवान पतंग और डोर लेकर खुले मैदानों में पहुँच जाते हैं और पतंग उड़ाने का आनंद लेते हैं। बीच–बीच में ये काटा ऽऽऽ वो काटा का शोर पतंग काटने की खुशी को दर्शाता है।

तभी तो सबके मन का पपीहा गा उठता है –

कब आवेगी तीज सखी री बाट मैं देखूँ आवण की ।

चौगर्दे ने बाग हरा घनघोर घटा सै सामण की ।।

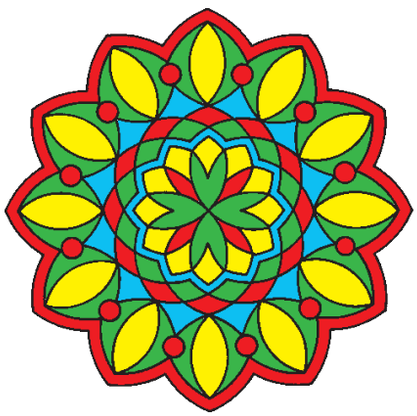

अभ्यास

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- झूलन – झूलने
- कोथली – त्योहार पर लड़की के मायके से भेजी जाने वाली मिठाई/पकवान
- सामण – सावन
- जांगी – जाऊँगी

2- ikB ls &

(क) हरियाली तीज कब मनाई जाती है ?

(ख) 'डाला रोकना' से क्या अभिप्राय है ?

(ग) विवाह के बाद लड़कियाँ पहली तीज कहाँ मनाती है और क्यों ?

(घ) भाई बहन के घर क्या लेकर जाता है ?

3- vkidh ckr &

(क) आपकी बहन तीज के दिन क्या करती है और आप क्या करते हैं ? अपने शब्दों में बताएँ।

(ख) आपका मनपसंद त्योहार कौन सा है और क्यों ?

(ग) आपके घर में तीज कैसे मनाई जाती है और आप उस दिन क्या–क्या करते है ?

(घ) कौन से त्योहार से किसका, क्या संबंध है ? मिलान करें ।
एक के साथ एकाधिक मिलान भी हो सकता है।

लड्डू	–	दीवाली
चूरमा	–	तीज
घेवर	–	होली
फुलझड़ी	–	रक्षाबंधन
लाल चुनड़िया	–	ईद
खील–पतासे	–	दुर्गाष्टमी
रंग/ पिचकारी	–	दशहरा
पतंग	–	जन्माष्टमी
सेवइयाँ	–	मकर संक्रांति

4- irk yxk,¡ vkj fy[k&

घेवर, फेनी तीज की विशेष मिठाइयाँ हैं
इन त्योहारों पर कौन से पकवान बनाए और खाए जाते हैं ?

- होली ______________________
- ईद ______________________
- क्रिसमस डे ______________________
- दशहरा ______________________
- मकर संक्रांति ______________________
- लोहड़ी ______________________
- गणेश चतुर्थी ______________________
- गोवर्धन पूजा ______________________

5- Hkk"kk dh ckr &

(क) इन्हें तुम्हारी बोली में क्या कहते हैं –

बहन	————————	विवाह	————————
पिता	————————	रुई	————————
चाचा	————————	चुनरी	————————
शगुन	————————	हाथ का पंखा	————————

(ख) दिए गए वाक्यों के लिए एक–एक शब्द लिखें।

गोबर के उपले रखने का स्थान – ————————————

अनाज रखने का स्थान – ————————————

घर में गाय या भैंस बाँधने का स्थान – ————————————

चारा काटने का स्थान – ————————————

जहाँ गाँव के बुजुर्ग प्रायः बैठकर आपस में बातचीत करते हैं – ————————————

(ग) पेड़ को वृक्ष और तरु भी कहते हैं, इन्हें किन–किन नामों से जाना जाता है ?

- आसमान ———————— ————————
- तालाब ———————— ————————
- सहेली ———————— ————————
- माँ ———————— ————————
- पिता ———————— ————————
- भाई ———————— ————————

Lkkou vk;k ¼dN vkj i<+½

पड़ने लगी फुहार, रिमझिम सावन आया।

बादल काले, बिजली गोरी,
राधा और कृष्ण की जोड़ी,
प्यार भरा संसार, रिमझिम सावन आया।

धानी चूनर उड़–उड़ जाए,
हरियाली 'दामण' लहराए,
धरती करे सिंगार, रिमझिम सावन आया।

डाल–डाल पर कोयल बोले,
नाचे मोर पंख जब खोले,
चातक करे पुकार, रिमझिम सावन आया।

नटखट सखियाँ झूला झूलें,
सपनों में उड़ नभ को छू लें,
गाएँ राग मल्हार, रिमझिम सावन आया।

–उदयभानु हंस

ikB

13 चुहिया का विवाह

''गंगा के तट पर एक ऋषि नहाकर जब आचमन कर रहे थे, तो किसी बाज के मुख से छूटकर एक चुहिया उनके हाथ में आ गिरी। यह देखकर ऋषि ने उसे पत्ते पर रख दिया। बाद में अपने मंत्रबल से उसे कन्या बना कर अपनी स्त्री को सौंप दिया। उनकी कोई संतान नहीं थी। ऋषि की पत्नी उसे पालने लगी। जब वह कन्या विवाह योग्य हुई तो उसने ऋषि से कहा, ''क्या आप नहीं जानते कि हमारी बेटी के विवाह का समय बीता जा रहा है ?''

ऋषि ने जवाब दिया, ''तुमने ठीक कहा है। मैं इसे किसी योग्य वर को सौंपना चाहता हूँ अगर उसे अच्छा लगे तो मैं सूर्य भगवान को बुलाऊँ।''

सूर्य भगवान के आने पर ऋषि ने अपनी बेटी से पूछा, ''बेटी, क्या तीनों लोकों को रोशनी देने वाले सूरज देवता तुझे अच्छे लगते हैं ?''

लड़की ने कहा, ''यह तो जलाने वाले हैं। इनसे भी अच्छे किसी और को बुलाइए।''

ऋषि ने सूर्य से पूछा, '' क्या आपसे कोई बड़ा है ?''

सूर्य ने कहा '' मुझ से बढ़कर बादल है, जो मुझे ढक लेता है।''

ऋषि ने बादल को बुलाकर बेटी से कहा, ''बेटी, तू इनसे विवाह कर ले।''

बेटी बोली, '' यह डरावना है। इनसे भी बड़े किसी व्यक्ति को बुलाइए।''

ऋषि ने बादल से पूछा, '' हे बादल! तुमसे भी बढ़कर कोई है ?''

बादल ने कहा '' मुझ से बड़े पवन देव हैं। उनके थपेड़े खाकर मैं हजारों टुकड़े हो जाता हूँ।''

ऋषि ने पवन देव को बुलाया और बेटी से पूछा, ''क्या पवन देव से विवाह करना तुझे पसंद है ?''

उसने कहा, '' पिता जी, यह बहुत चपल हैं। इनसे भी बड़े किसी व्यक्ति को बुलाइए।''

ऋषि ने पूछा, '' हे पवन देव! क्या तुमसे भी बड़ा कोई है ?''

पवन देव ने कहा, ''पहाड़ मुझ से बड़ा है। बलवान होने के बावजूद भी मैं उससे टकराकर रुक जाता हूँ।''

ऋषि ने पहाड़ को बुलाया और बेटी से पूछा, ''बेटी, यह तो ठीक है ?''

उसने कहा, ''पिताजी, यह कठोर और अचल है। किसी दूसरे को बुलाइए।''

ऋषि ने पहाड़ से पूछा, ''क्या तुमसे भी बढ़कर कोई है ?''

पहाड़ ने कहा, मुझसे बढ़कर चूहा है, जो अपनी ताकत से मुझे छेद डालता है।''

इस पर ऋषि ने चूहे को बुलाकर लड़की से पूछा, ''बेटी, क्या चूहों का राजा तुझे पसंद है ?''

उसे देखकर लड़की बड़ी खुश हुई और विवाह के लिए तैयार हो गई।

अभ्यास

946TFX

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- अचल – स्थिर/ जो चलता न हो
- आचमन – हथेली में थोड़ा–सा जल रखकर उसे पीना।
- चपल – चंचल
- तट – किनारा
- मंत्रबल – मंत्र की ताकत
- योग्य – लायक

2- dgkuh ls &

(क) ऋषि को चुहिया कहाँ मिली ?

____

(ख) ऋषि की लड़की ने सूर्यदेव के लिए क्या बात कही ?

____

(ग) पवन देव ने पहाड़ को अपने से बड़ा क्यों बताया ?

____

(घ) ऋषि ने चुहिया को कन्या कैसे बनाया और क्यों ?

____

(ङ) अपनी लड़की के विवाह के लिए ऋषि ने किन–किन को बुलाया ?

____

3- vkidh ckr &

(क) "किसी बाज के मुख से छूटकर एक चुहिया उनके हाथ में आ गिरी। यह देखकर ऋषि ने उसे पत्ते पर रख दिया"
आप अपना अनुभव बताएँ जब आपने किसी जीव को बचाकर उसकी देखभाल की हो।

(ख) कहानी में आपको सबसे अच्छा कौन लगा और क्यों ?

(ग) ऋषि बार–बार लड़की से उसकी पसंद पूछ रहे थे। इससे ऋषि के बारे में क्या पता चलता है ?

(घ) कहानी में ऋषि ने सूरज, बादल, हवा आदि को बुलाया था। लड़की ने इनकी एक–एक विशेषता बताई थी ? आप भी प्रत्येक की एक–एक विशेषता बताएँ।

4- (क) मिलान करें –

सूरज	चंचल
बादल	जलाने वाला
वायु	कठोर
पहाड़	डरावना

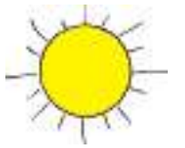

(ख) पढ़ें और सही कथन पर (✓) और गलत पर (✗) का निशान लगाएँ–

- ऋषि बहुत गुस्से वाला था। ☐
- ऋषि अपनी बेटी से बहुत प्यार करता था। ☐
- ऋषि बहुत घमंडी था। ☐
- ऋषि अपनी बेटी की बात नहीं सुनता था। ☐
- ऋषि को समझ नहीं थी। ☐

94FPHK

5- Hkk"kk dh ckr &

(क) समझें और रिक्त स्थान भरें

इसने	इस को	इसके द्वारा	इसके लिए	इससे	इसका	इस पर
उस	———	———	———	———	———	———
जिस	———	———	———	———	———	———

किस	———	———	———	———	———	———
उन	———	———	———	———	———	———

(ख) सूर्य को सूरज, रवि, आदि नामों से भी पुकारा जाता है।
दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखें–

बादल – ——————— ———————

वायु – ——————— ———————

पहाड़ – ——————— ———————

(ग) 'बेटी' का पुल्लिंग शब्द 'बेटा' है।
ऐसे ही दिए गए शब्दों के पुल्लिंग लिखें –

दुलहन – ——————— लड़की – ———————

चुहिया – ——————— माता – ———————

6- (क) अपने घर के बड़े–बुजुर्गों से विवाह के अवसर पर गाया जाने वाला हरियाणा के एक लोकगीत का पता करें और लिखें। जैसे –
ताता पानी है समंदरा का
———————————————————————————————

(ख) विवाह के अवसर पर घर में बहुत से पकवान बनाए जाते हैं ऐसे ही कुछ पकवानों की सूची बनाएँ।
———————————————————————————————

7- fp= dk vkèkkj ij ,d dgkuh viuh vH;kl iqfLrdk esa fy[kA

ikB

14 यह मेरा हरियाणा

94PKJ8

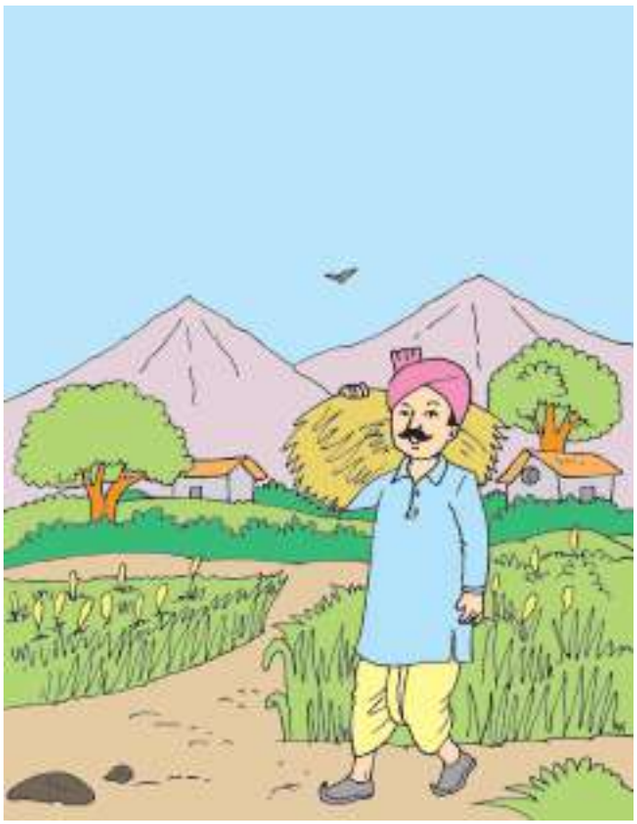

हरी–भरी हरियाली वाला,
फल–फूलों की डाली वाला,
हट्टे–कट्टे लोग यहाँ के,
दूध–दही का खाणा,
यह मेरा हरियाणा।
मर्द–मुछैल यहाँ के छोरे,
गले तबीजी, काले डोरे,
सिर पर पगड़ी पेचों वाली,
सीधा सादा बाणा,
यह मेरा हरियाणा।
घाघरे–घूँघट वाली बीर,
पनघट से भर लावें नीर,
मार मंडासा खेत कमावैं,
वेश पहन मरदाना,
यह मेरा हरियाणा।
भीम बली से वीरों वाला,
अर्जुन के से तीरों वाला,
गीता का उपदेश दिया जो,
सुना सभी ने जाना,
यह मेरा हरियाणा।

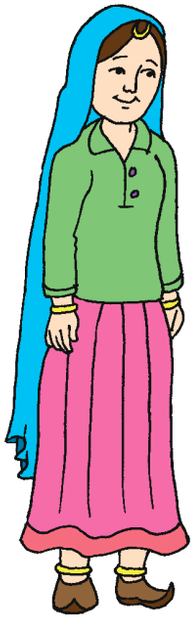

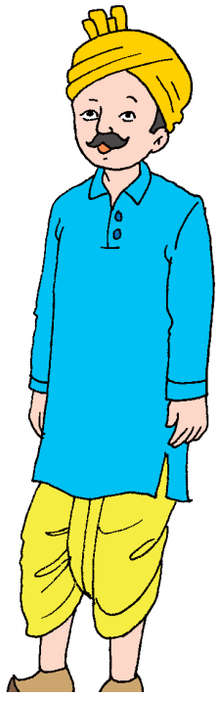

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें:

- उपदेश – शिक्षा / सीख
- खेत कमाना – खेत में काम करना
- छोरे – लड़के
- नीर – पानी / जल
- पनघट – पानी भरने का स्थान
- पेचों वाली – पगड़ी के घुमावदार मोड़
- बाणा – पहनावा
- मुंडासा – सिर के चारों ओर लपेटा जाने वाला कपड़ा
- वेश – वस्त्र, कपड़े
- हट्टे–कट्टे – मजबूत शरीर वाले / हृष्ट–पुष्ट

2. कविता से:

(क) हरियाणा के लोगों को हट्टा–कट्टा क्यों कहा गया है ?

____

(ख) हरियाणा के लोगों का पहनावा कैसा है ?

____

(ग) कविता में किन वीरों की बात कही गई है ?

____

3. आपकी बात:

(क) आप भोजन में क्या–क्या चीजें लेते हैं ?

(ख) आपके घर में पीने का पानी कहाँ से आता है?

(ग) आपके माता–पिता कौन–कौन से काम करते हैं ?

4- dfork l vkx &

(क) अपने घर के बड़े बुजुर्गों से पता करें और बताएँ–

- गीता का उपदेश किसने व कहाँ दिया था ?
- हरियाणा का नाम हरियाणा कैसे पड़ा ?
- आपके गाँव/शहर का नाम क्या है। यह नाम कैसे पड़ा ?

(ख) सोच कर बताएँ, कौन–कैसे हैं ?

- हरियाणा के लोग ____________________
- हरियाणा की स्त्रियाँ ____________________
- हरियाणा के वीर ____________________
- हरियाणा का भोजन ____________________

5- ifDr;k ijh dj&

(क) हरी–भरी ____________________

____________________ डाली वाला,

(ख) मर्द–मुछैल ____________________

____________________ काले डोरे,

(ग) भीम–बली से ____________________,

____________________ तीरों वाला ,

6- lu] cky vkj fy[k &

तबीजी – ____________________

पगड़ी – ____________________

छोरे – ____________________

गाम – ____________________

टूम – ____________________

गठड़ी – ____________________

घीलड़ी – ____________________

कणक – ____________________

ताऊ – ____________________

958CHI

7- Hkk"kk dh ckr&

(क) समझें और लिखें –

हरी – भरी

फल – ________

हट्टे – ________

मर्द – ________

सीधा – ________

(ख) बोलें और लिखें–

अर्जुन शब्द में (र्‍)आधा र् के रूप में बोला जाता है। इसे शिरोरेखा पर लिखा जाता है। इसे अरजुन न बोलकर अर्जुन बोलें। नीचे ऐसे ही कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें सही बोलें और लिखें–

मर्द	______________	कार्य	______________
चर्चा	______________	वर्ष	______________
कर्म	______________	दर्द	______________
अर्थ	______________	मर्म	______________
कर्ण	______________	धर्म	______________

(ग) हरियाणा एक राज्य का नाम है। कविता में इसी तरह अनेक व्यक्तियों, वस्तुओं के नाम आए हैं, उन्हें चुनकर नीचे लिखें –

व्यक्ति	वस्तु
________________________	________________________
________________________	________________________
________________________	________________________
________________________	________________________

vkiu fdruk lh[kk

1- lgh 'kCn ij ¼✓½ dk fu'kku yxk,&

- मेंहदी — मेहंदी
- पुरूष — पुरुष
- विशेषता — विशेसता

2- lgh feyku dj&

- घेवर — दीवाली
- रंग–पिचकारी — ईद
- सेवइयाँ — होली
- खील–पतासे — तीज

3- fn, x, okD;k'kk d fy, ,d&,d 'kCn fy[k&

- अनाज रखने का स्थान ——————————
- गोबर के उपले रखने का स्थान ——————————

4- lgh okD; ij ¼✓½ o xyr ij ¼✗½ dk fu'kku yxk,&

- ऋषि अपनी बेटी से बहुत प्यार करता था।
- ऋषि बहुत घमंड़ी था।

5- fuEufyf[kr d vU; uke fy[k&

- सूरज _______________ _______________
- बादल _______________ _______________

6- lgh 'kCn pqudj [kkyh LFkku Hkjsa&

- पेड़ की मोटी ________________ पर बंदर झूल रहा है। (शाखा/शाखाएँ)
- गीता की ________________ में पचास मोती हैं। (माला/मालाएँ)
- कक्षा में दस ________________ पढ़ती हैं। (लड़का/लड़कियाँ)

7- fuEufyf[kr iz'uksa d mÙkj fy[ksa&

- तीज पर आप क्या–क्या करते हैं?

____

- चूहिया ने सूर्यदेव से विवाह करने से क्यों इनकार किया?

____

- हरियाणा के लोगों का पहनावा कैसा है?

____

8- i<sa] le>sa vkSj fy[ksa&

- लड़का पढ़ता है, ________________ पढ़ती है
- माता __________ के लिए बेटा और __________ समान होते हैं।

95H8P6

95R4QT